दिव्य आकाश

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष-14, अंक - 35 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 08 से 14 दिसंबर 2023 | पृष्ठ-8 मूल्य ₹ 3.00

सुविचार

हर भावना की होती है शब्दों के रूप में पहचान
कोई मायूस है तो खुशी का तूफान ।

विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री

रायपुर।

छत्तीसगढ़ में रविवार को भाजपा ने नए मुख्यमंत्री का ऐलान कर दिया है। अब विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री होंगे। रविवार को हुई विधायक दल की बैठक में यह फैसला लिया गया। इसके साथ ही कई दिनों से सीएम चेहरे की चल रही अटकलों पर भी विराम लग गया है। दरअसल, मुख्यमंत्री विधायक दल का नेता चुनने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित 54 विधायकों की रविवार को अहम बैठक हुई। इसमें सीएम फेस को लेकर चर्चा की गई और दिग्गज नेता विष्णुदेव साय के नाम पर मुहर लगाई गई। इस बैठक में पार्टी के तीन पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल तथा पार्टी महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम बैठक मौजूद रहे। इसके अलावा पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और राज्य के लिए पार्टी के सह-प्रभारी नितिन नबीन भी वहां मौजूद रहे।

विष्णुदेव साय का राजनीतिक सफर

तीन बार सांसद रहे विष्णु साय 2014 में मोदी सरकार में राज्य मंत्री रहे है। वे 1990 से अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के लिए तपकरा सीट से पहली बार विधायक चुने गए थे। विष्णु साय का जन्म 21 फरवरी 1964 में जशपुर जिले के बगिया गांव में एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने 10वीं तक की पढ़ाई कुनकुरी स्थित लोयोला हायर सेकेंडरी स्कूल से की है। विष्णु साय ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत 1989 में ग्राम पंचायत बगिया के पंच के रूप में की थी। विष्णु साय को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह की भी पसन्द बताए जाते है। पार्टी ने उन्हें 2006 और 2020 में दो बार प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंपा था। वर्तमान में विष्णु साय भाजपा के राष्ट्रीय कार्य समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य हैं।

छत्तीसगढ में भाजपा ने बिना सीएम फेस के चुनाव लड़ा था। भाजपा ने 54 सीटों के साथ शानदार जीत हासिल की। नतीजों के बाद ही सीएम फेस को लेकर कयासों का दौर जारी था। इस रेस में खुद डॉ. रमन सिंह भी शामिल थे। साथ ही अरुण साव, ओपी चौधरी और रेणुका सिंह के नाम शामिल रहा। आदिवासी सीएम के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय के साथ ही रेणुका सिंह का नाम आगे चल रहा था। लेकिन नतीजों के तकरीबन एक हफ्ते बाद छत्तीसगढ़ के सीएम फेस पर मुहर लग गई।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 90 में से 54 सीट जीती हैं। वहीं 2018 में 68 सीट जीतने वाली कांग्रेस 35 सीट पर सिमट गई है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) एक सीट जीतने में कामयाब रही।

शाह ने पूरा किया अपना प्रॉमिस, चुनावी रैली में जनता से किया था विष्णुदेव साय को बड़ा नेता बनाने का वादा

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख आदिवासी चेहरे विष्णु देव साय राज्य के मुख्यमंत्री होंगे। उन्हें रविवार को यहां पार्टी के 54 नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक के दौरान विधायक दल का नेता चुना गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले महीने कुनकुरी निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मतदाताओं से विष्णु देव साय को विधायक चुनने का आग्रह किया था और वादा किया था कि अगर पार्टी राज्य में सत्ता में आती है तो साय को बड़ा आदमी बना दिया जाएगा। श्री शाह ने अपना वादा पूरा किया और छत्तीसगढ़ में सीएम के लिए स्क्रीप्ट लिखा और विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री बन गए।

राज्यपाल हरिचंदन ने विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री नियुक्त कर केबिनेट गठन के लिए आमंत्रित किया

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ राज्य भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने वर्ष 2023 की छत्तीसगढ़ राज्य नव गठित विधानसभा के अपने नव निर्वाचित विधायकों की सर्वसम्मति से, प्रदेश विधायक दल का नेता विष्णुदेव साय को चयनित किये जाने संबंधित पत्र सौंपा और नई सरकार बनाने के लिए अपना दावा प्रस्तुत किया।

राज्यपाल हरिचंदन ने विष्णुदेव साय को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत के संविधान की धारा 164 के तहत विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री नियुक्त करने संबंधित पत्र प्रदान किया और केबिनेट गठन के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल, मनसुख मांडविया, ओम माथुर सहित नवनिर्वाचित विधायक, पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित थे।

पूर्व सीएम रमन सिंह होंगे स्पीकर, छत्तीसगढ़ को मिले दो डिप्टी सीएम

छत्तीसगढ़ में विष्णदेव साय के साथ दो उपमुख्यमंत्री भी बनाए गए हैं। अरुण साव और विजय शर्मा छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री होंगे। इसके अलावा पूर्व सीएम रमन सिंह को विधानसभा का स्पीकर बनाया जाएगा। बता दें कि रायपुर में रविवार को भाजपा विधायक दल की बैठक हुई थी। इस बैठक में विष्णदेव साय को विधायक दल का नेता चुना गया। नेता चुने जाने के बाद साय ने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

न्याय यात्रा को आप जारी रखें - भूपेश बघेल

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा कि कुनकुरी विधायक, वरिष्ठ भाजपा नेता विष्णु देव साय को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई और शुभकामनाएं। नवा छत्तीसगढ़ की न्याय और प्रगति यात्रा को आप मुख्यमंत्री के रूप में आगे बढ़ाएं, ऐसी कामना करता हूं।

25 दिसंबर सुशासन दिवस पर 2 साल का बोनस जाएगा किसानों के खाते में

मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद साय ने संवाददाताओं से कहा, एक मुख्यमंत्री के रूप में, मैं सरकार के माध्यम से मोदी की गारंटी (भाजपा के चुनाव पूर्व वादे) को पूरा करने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि राज्य में (प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत) 18 लाख घरों को मंजूरी उनकी सरकार का पहला काम होगा। चुनाव में जाने के दौरान भाजपा ने किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने और महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपए देने समेत कई वादे किए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत किसानों को 2016-17 एवं 2017-18 का बोनस एक मुस्त किसानों के खाते में हस्तांतरित किया जाएगा और यह शुभ कार्य 25 दिसंबर सुशासन दिवस पर होगा। भाजपा नेताओं ने बताया कि यहां भाजपा के नव निर्वाचित विधायकों की दोपहर बाद बैठक आयोजित की गई जिसमें पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल तथा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि भाजपा के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित इस बैठक में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, केंद्रीय मंत्री और चुनाव सह प्रभारी डॉक्टर मनसुख मांडविया, भाजपा संगठन सह प्रभारी नितिन नबीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह भी मौजूद थे। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से साय को भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। वह राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। मुख्यमंत्री पद के लिए साय के नाम की घोषणा होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने साय का स्वागत किया।

मां जशमनी देवी बोली-बेटा सीएम बना, मैं बहुत खुश हूं

वहीं छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की माता जशमनी देवी ने आगे कहा कि बेटे के मुख्यमंत्री बनने से बहुत खुश हूं। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि बेटा सीएम बन गया। परिवार के अन्य सदस्यों ने कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री बनने से गौरव हो रहा है।

प्रदेश में प्रगतिशील परिवर्तन लाने में सफल होंगे- डॉ. रमन सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने ट्विट कर लिखा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में हम सभी पूर्ण निष्ठा से भाजपा के संकल्प पत्र (मोदी की गारंटी) के वादों को पूरा करते हुए प्रदेश में प्रगतिशील परिवर्तन लाने में सफल होंगे। भाजपा के डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ दोगुनी रफ़्तार से विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

डॉ.रमन सिंह ने साय को दी बधाई

डॉ. रमन सिंह ने x पर लिखा कि कुनकुरी विधायक और आदिवासी नेता विष्णुदेव साय को विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा का दायित्व प्राप्त होने पर अशेष शुभकामनाएं।

राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने दी बधाई

राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने कहा कि विष्णुदेव साय को भाजपा विधायक दल की बैठक में छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री मनोनीत किए जाने पर हार्दिक बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं। हमें पूर्ण विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व में निश्चित ही छत्तीसगढ विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और आदिवासी समाज का उत्थान सुनिश्चित होगा।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रेणुका सिंह ने दी बधाई

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रेणुका सिंह ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनेंगे। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार किसी किसान परिवार से आने वाले आदिवासी समुदाय के कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया है।

अनुभवी कार्यकर्ता को सीएम बनाया, इससे और अच्छा क्या होगा-माथुर

बीजेपी प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि- अनुभवी कार्यकर्ता, अटल जी के कार्यकाल में मंत्री रहे कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाया गया है इससे अच्छा और क्या हो सकता है।

रायपुर दक्षिण सीट से विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें चुनकर देश की अनुसूचित जनजाति को सम्मान दिया है। उप मुख्यमंत्री को लेकर केंद्रीय नेतृत्व ही जानकारी देगा। विधायक केदार कश्यप ने कहा कि- वरिष्ठ नेता और सांसद के रूप में उन्होंने जिम्मेदारी को संभाला है। अब वे मुख्यमंत्री के रूप में अपना दायित्व संभालेंगे। बीजेपी नेता धरमलाल कौशिक ने कहा कि सर्वसम्मति से नाम प्रस्तावित हुआ। डॉ. रमन सिंह ने नाम रखा, जिसका सभी विधायकों ने समर्थन किया। केदार कश्यप ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता की योग्यता और क्षमता को देखते हुए विधायक दल का नेता चुना गया।

वहीं मोदी सरकार में रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता विष्णु देव साय को छत्तीसगढ़ भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आदिवासी समाज का इस देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान रहा है और इसी संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास की राह पर चलेगा ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

सरपंच से मुख्यमंत्री तक का राजनीतिक सफर तय किया विष्णुदेव साय ने

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में हमेशा से स्थानीय और आदिवासी मुख्यमंत्री की मांग होती रही है। प्रदेश की सियासत में विष्णुदेव साय कथित तौर पर डॉ.रमन सिंह के खेमे के ही माने जाते हैं। साय को संघ का करीबी भी कहा जाता है। उनको करीब 35 साल का राजनीतिक और प्रदेश अध्यक्ष रहते संगठन चलाने का अनुभव भी है।

पूर्व सीएम बघेल से 3 साल छोटे हैं साय

विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को जशपुर के ग्राम बगिया में स्व. रामप्रसाद साय और जसमनी देवी के घर हुआ था। पूर्व सीएम भूपेश बघेल से वे 3 साल छोटे हैं। किसान परिवार से आने वाले साय ने लंबा राजनीतिक सफर तय कर ऊंचा मुकाम हासिल किया। प्रदेश और देश की राजनीति में सक्रिय रहे।

कुनकुरी में ही पढ़ाई की, फिर छूटा स्कूल

विष्णुदेव साय की प्रारंभिक शिक्षा कुनकुरी में ही हुई। इसके बाद उन्होंने वहीं से 12वीं तक की पढ़ाई की, लेकिन फिर उनका स्कूल छूट गया। पिता के साथ खेती-किसानी में हाथ बंटाने वाले साय ने 25 साल की उम्र में राजनीति में कदम रखा। उनके परिवार के अन्य लोग शुरू से ही जनसंघ से जुड़ रहे।

भूपेश से संपत्ति के मामले में पीछे हैं साय

विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग को दिए गए शपथपत्र के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संपत्ति 6.5 करोड़ रुपए है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विष्णुदेव साय की संपत्ति 3.80 करोड़ रुपए है। इसमें उनकी कृषि, जमीन और घर भी शामिल हैं। आय का स्रोत भी किसानी ही है।

सरपंच से शुरू हुआ राजनीतिक करियर

विष्णुदेव साय ने अपना राजनीतिक करियर गांव की राजनीति से शुरू किया। वह 1989-1990 में अविभाजित मध्य प्रदेश में तपकरा की ग्राम पंचायत बगिया से निर्विरोध सरपंच चुने गए। इसके बाद पहली बार भाजपा के टिकट पर 1990 में तपकरा सीट से ही विधायक बने। 8 साल विधायक रहने के बाद 2004 में रायगढ़ से सांसद चुने गए।

लोकसभा का यह सफर 2014 तक जारी रहा। सांसद रहने के दौरान मोदी सरकार में इस्पात मंत्रालय में राज्यमंत्री बनाए गए। इस बीच 2011 और फिर 2020 में पार्टी ने साय को छत्तीसगढ़ भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया। 2022 में भाजपा की राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य बनाए गए।

परिवार से मिला राजनीतिक अनुभव

साय खुद किसान परिवार से थे, लेकिन उनके बड़े पिताजी स्व. नरहरि प्रसाद साय और दादा स्व. बुधनाथ साय जनसंघ के समय से ही राजनीति में रहे। नरहरि प्रसाद तपकरा से विधायक थे, फिर लैलूंगा से विधायक और बाद में सांसद चुने गए। केंद्र में संचार राज्यमंत्री बने। वहीं दादा भी 1947-1952 तक विधायक रहे।

साय के सीएम बनते ही भाजपाइयों ने लगाए ठुमके

जगदलपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायकों ने अपने दल का नेता चुन लिया और कुनकुरी से विधायक विष्णु देव साय को सीएम की कुर्सी पर बिठा दिया है। आदिवासी नेता विष्णुदेव साय के ष्टरू बनते ही बस्तर में जश्न का माहौल है। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के भाजपा कार्यालय में जमकर आतिशबाजी की गई। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़े की थाप पर जमकर ठुमके लगाए। नए मुख्यमंत्री की घोषणा होने के बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जगदलपुर के भाजपा कार्यालय में एकत्र हुए हैं। जगदलपुर के अलावा दंतेवाड़ा, कोंडागांव समेत अन्य जिलों में भी जमकर जश्न मनाया जा रहा है। एक दूसरे को बधाई दी जा रही है। जमकर आतिशबाजी भी हो रही है। जगदलपुर में भाजपा जिला अध्यक्ष रुपसिंह मंडावी ने कहा कि, प्रदेश में पहली बार आदिवासी वर्ग से मुख्यमंत्री बनाया गया है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है। भाजपा नेता श्रीनिवास राव मद्दी ने कहा कि नए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी बनाया: बसपा प्रमुख के छोटे भाई के बेटे हैं, अभी पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर

लखनऊ (एजेंसी)।

बसपा सुप्रीमो मायावती (67) ने अपने भतीजे आकाश आनंद (27) को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। यानी मायावती के बाद पार्टी की कमान आकाश के हाथों में होगी। अभी यूपी और उत्तराखंड में पार्टी की जिम्मेदारी मायावती संभालेंगी, जबकि बाकी 26 राज्यों को आकाश देखेंगे।

पार्टी की विरासत और राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए मायावती ने अपने भतीजे को आगे किया है। रविवार 10 दिसंबर को डेढ़ घंटे चली मीटिंग के बाद मायावती ने इस फैसले का ऐलान किया। मीटिंग में पार्टी के 28 राज्यों के पदाधिकारी मौजूद थे।

आकाश, मायावती के सबसे छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं और फिलहाल पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर हैं। सार्वजनिक तौर पर मायावती के साथ आकाश पहली बार 2017 में सहारनपुर में नजर आए थे।

आकाश ने लंदन से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) की पढ़ाई की है। आकाश की शादी बसपा के पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ की बेटी डॉ. प्रज्ञा से इसी साल मार्च में हुई थी। आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ की गिनती मायावती के भरोसेमंद नेताओं में होती है।

मायावती के साथ गाड़ी में आए थे आकाश आनंद

रविवार को लखनऊ में पार्टी कार्यालय में हुई बैठक में आकाश आनंद मायावती के साथ एक ही गाड़ी में आए थे। मायावती ने हाल ही में चार राज्यों में हुए चुनाव की कमान भी आकाश को सौंपी थी। इसी से यह तय माना जा रहा था कि आकाश पार्टी में नंबर-2 हैं।

इसके अलावा मायावती राजनीतिक तौर पर खुद ज्यादा एक्टिव न होकर आकाश को ही अहम जिम्मेदारियां दे रही थीं। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान ही यूपी में उन्होंने चुनिंदा रैलियां ही की थीं।

लोकसभा चुनाव से पहले आकाश के ऐलान की 3 वजह

1-चंद्रशेखर के ऑप्शन में आकाश

पश्चिम यूपी में आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर की दलित वर्ग के बीच पकड़ मजबूत हो रही है। बसपा प्रमुख ने दलित समाज के युवाओं को यह साफ मैसेज देने का प्रयास किया कि बसपा में युवा नेता और पार्टी का ऑप्शन आकाश है। वह लगातार रैलियां भी कर रहे हैं।

2-आकाश के बहाने बसपा का युवाओं पर फोकस

यूपी में विधानसभा चुनाव 2022 के चुनाव में बसपा को तगड़ा झटका लगा था। पार्टी का वोट शेयर 22 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत पर आ गया था। इसलिए बसपा अपना खोया जनाधार पाने के लिए युवाओं को जोड़ना चाहती है। इसीलिए मायावती ने आकाश को उत्तराधिकारी चुना है।

3-बसपा के सामने अब ज्यादा ऑप्शन नहीं

चार बार यूपी की सीएम रह चुकी मायावती की पार्टी बसपा की अब प्रदेश में स्थिति कमजोर हो रही है। अभी बसपा का सिर्फ एक विधायक है। जबकि 10 सांसद थे, जिसमें से शनिवार को ही उन्होंने एक सांसद दानिश अली को पार्टी से बाहर कर दिया था।

करणीय सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह मर्डर कांड

भेष बदलकर रह रहे तीन आरोपी चंडीगढ़ से गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

राजस्थान में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के आरोपी चंडीगढ़ के सेक्टर 24 के होटल कमल रिसॉर्ट नाम के गेस्ट हाउस में छिपे थे। यहां से इन्हें शनिवार रात को दिल्ली क्राइम ब्रांच और राजस्थान पुलिस की टीम पकड़कर ले गई। इनमें गोगामेड़ी को गोली मारने वाले शूटर नितिन फौजी और रोहित राठौड़ के अलावा उनका साथी उधम भी शामिल है।

गेस्ट हाउस में तीनों आरोपी नाम बदलकर छिपे हुए थे। उन्होंने अपने नाम दविंदर कुमार, जयवीर सिंह और सुखबीर सिंह रखे हुए थे। इसके लिए उन्होंने फर्जी आधार कार्ड दिए थे।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक गोगामेड़ी की हत्या के बाद शूटर नितिन फौजी और रोहित ठाकुर राजस्थान के डीडवाणा से चुरू-दिल्ली रोडवेज बस में बैठे। नेशनल हाईवे पर रेवाड़ी के धारूहेड़ा कस्बे में सुबह उतरे। उसके बाद ये किसी गाड़ी से रेवाड़ी रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां से ये हिसार की ट्रेन में पहुंचे। हिसार में ही यह सीसीटीवी फुटेज में दिखे। जिससे पुलिस को लीड मिली और वह इनके पीछे लग गई। इसके बाद वह मनाली गए। वहां से कल शनिवार को जब चंडीगढ़ आए तो पकड़े गए।

चंडीगढ़ से गिरफ्तार हुए शूटर नितिन फौजी, रोहित राठौड़ और उनका साथी उधम। इससे पहले शनिवार को जयपुर पुलिस ने शूटर्स की मदद करने वाले रामवीर को गिरफ्तार किया था, जो नितिन फौजी का दोस्त है।

होटल मैनेजर बोला- डराया-धमकाया, फोन छीना

होटल के मैनेजर रवि ने कहा कि 3 युवक होटल में आए थे। उन्होंने आते ही उन्हें डराया-धमकाया। इसके बाद उनसे फोन छीन लिया और ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे बंद करवा दिए। इनमें से एक के पास बैग था, जबकि 2 खाली थे। वह होटल में 15 से 20 मिनट रुके। इसके बाद पुलिस आई और उन्हें पकड़कर ले गई

मोबाइल पर बात करने से लोकेशन मिलती रही

शूटर्स ने हत्या करने के बाद हथियारों को छुपा दिया था, ताकि भागते समय ट्रेन या बस में चेकिंग के समय न पकड़े जा सकें, मगर आरोपी शूटर्स फरारी के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे थे। शूटर्स गैंगस्टर रोहित गोदारा के राइट हैंड वीरेंद्र चौहान और दानाराम के संपर्क में थे। उन्होंने वीरेंद्र चौहान और दानाराम के इशारे पर ही हत्या को अंजाम दिया था। हत्या करने के बाद दोनों शूटर्स वीरेंद्र चौहान और दानाराम से लगातार बात कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने इनकी टेक्निकल सर्विलांस शुरू कर दी। इसके बाद चंडीगढ़ पहुंचते ही इन्हें पकड़ लिया गया। जयपुर पुलिस ने शनिवार (9 दिसंबर) को रामवीर को गिरफ्तार किया था।

इटली के अस्पताल में आग लगी, 3 लोगों की मौत, 200 लोगों को रेस्क्यू किया गया

रोम (एजेंसी)।

इटली के टिवोली में एक अस्पताल में आग लग गई। इससे करीब तीन लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, फायर ब्रिगेड ने अस्पताल से करीब 200 लोगों को रेस्क्यू किया है। जिसमें एक गर्भवती महिला और कई बच्चे भी शामिल हैं।

आतंकियों ने श्रीनगर में पुलिसकर्मी पर गोलीबारी की, हालत गंभीर

श्रीनगर (एजेंसी)।

कश्मीर मे श्रीनगर जिले के बेमिना इलाके में शनिवार को आतंकियों ने एक पुलिसकर्मी पर गोलीबारी की। पुलिसकर्मी की पहचान मथिया बांध हमदानिया कॉलोनी बेमिना के गुलाम हसन चाट के बेटे हाफिज अहमद के रूप में की गई है। हाफिज को दाहिने हाथ और पेट पर कई गोलियां लगीं हैं। उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हाफिज की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस बीच हमलावरों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

स्कूल बस में लगी भीषण आग, पिकनिक मनाने जा रहे बच्चों को धुआं निकलते देख ड्राइवर ने उतारा ,टला बड़ा हादसा

जबलपुर (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक स्कूल बस में अचानक आग लग गई। आग की सूचना राहगीरों ने फायर ब्रिगेड को दी बता दें की इससे पहले स्कूल स्टाफ और बच्चों को बस से बाहर निकाला गया। बस पूरी तरह से जलकर राख हो गई है। बस से धुआं निकलता देख ड्राइवर ने सभी को नीचे उतार दिया।

बताया जा रहा है कि बस में करीब 37 बच्चे और टीचर सवार थे और रविवार होने के कारण सभी लोग पिकनिक मनाने के लिए जा रहे थे अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और बस से धुआं निकलने लगा जैसे ही ड्राइवर ने धुंआ निकलते देखा सभी को नीचे उतार दिया।

बस में आग लगने की घटना से बच्चे काफी डर गए। इसके बाद सभी बच्चों को पिकनिक के लिए सेना के वहान से ले जाया गया। इस दौरान टीचरों का कहना था कि वह कई बार रविवार को पिकनिक मनाने के लिए जाते हैं यह हादसा पहली बार हुआ है।

सांसद साहू से 'बेनामी नकदी को लेकर मांगा स्पष्टीकरण

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय ने रविवार को कहा कि सांसद धीरज साहू से उनसे जुड़े परिसरों से बड़ी मात्रा में मिली नकदी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया है। पांडेय ने इसके साथ ही स्पष्ट किया कि धीरज साहू का यह निजी मामला है और पार्टी का इससे कोई लेना देना नहीं है।

तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर अस्पताल में भर्ती

सीएम रेवंत रेड्डी हालचाल जानने पहुंचे

हैदराबाद (एजेंसी)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) से मुलाकात की। 7 दिसंबर को एर्रावल्ली में अपने फार्महाउस में गिरने के बाद केसीआर की बाएं कूल्हे की सर्जरी की गई है। उन्हें ठीक होने में 6-8 सप्ताह का समय लग सकता है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 2.5 करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ सीआईएसएफ ने विदेशी महिला को पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स ने रविवार को मुंबई एयरपोर्ट पर 2.45 करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन पकड़ी। यह ड्रग्स एक विदेशी महिला लेकर जा रही थी। सीआईएसएफ के मुताबिक, जब्त की गई हेरोइन 350 ग्राम है। आरोपी महिला को कस्टम अधिकारियों को सौंप दिया गया है। आगे की जांच जारी है।

ज्ञानवापी परिसर से मस्जिद हटाने के लिए मुकदमा करने वाले हरिहर पांडेय का निधन, 33 साल से केस लड़ रहे थे

वाराणसी (एजेंसी)।

साल 1991 में ज्ञानवापी परिसर से मस्जिद को हटाने के लिए मुकदमा दायर करने वाले हरिहर पांडेय का रविवार को निधन हो गया। बीएचयू स्थित सर सुंदरलाल हॉस्पिटल में उन्होंने अंतिम सांस ली। तीन लोगों ने सिविल कोर्ट में एक मुकदमा दायर किया था। इनमें हरिहर पांडेय, सोमनाथ व्यास और संपूर्णानंद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे रामरंग शर्मा शामिल थे।

अदालत में मुकदमा दायर होने के कुछ साल बाद पंडित सोमनाथ व्यास और रामरंग शर्मा की मौत हो गई। अब हरिहर पांडेय ही इस मामले के इकलौते पक्षकार बचे थे। 33 साल से ज्ञानवापी केस लड़ रहे थे। कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी।

शीघ्र किराए से देना है

कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर कोरबा होटल ब्लू डायमंड के सामने प्रथम मंजिल में स्थित 3000 स्क्वायर फीट हॉल जिसमें 2 सेप्रेट वाशरूम, फाल सिलिंग, विट्रीफाइड फ्लोर एवं सुसज्जित हॉल एवं 2500 स्क्वायर फीट का हाल शीघ्र किराए पर देना है। बैंक, ऑफिस कार्य, कोचिंग सेंटर, जिम आदि के लिए उपयुक्त और सुव्यवस्थित जगह।

संपर्क करें:-
गोपाल राय सोनी
अमृता ज्वेलर्स, एस.एस. प्लाजा कोरबा
मो.: 77480-44444, 88270-47777

रोजगार का सुनहरा अवसर

कोरबा में पहली बार पंचकर्म चिकित्सा प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। 8वीं एवं 10वीं पास युवक/युवती पंचकर्म चिकित्सा पद्धति सीख कर रोजगार की गारंटी पाएं। प्रशिक्षण शुल्क नाम मात्र।

संपूर्ण बायोडाटा के साथ पंचकर्म प्रशिक्षण हेतु आज ही संपर्क करें-

आयुर्वेद सदन-
पंचकर्म चिकित्सालय
आर्युलाईन मल्टी स्पेशलिटि पंचकर्म हॉस्पिटल
प्लाट नं.: 310,सुदर्शन भवन (पंचकर्म सदन) मेन स्टेट बैंक के पास, प्रजापति ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय के बगल में, टी.पी. नगर (कोरबा), मो.: 94255-47677, 83193-24280

वातरोगान्तक (Vatrogantak) Syrup

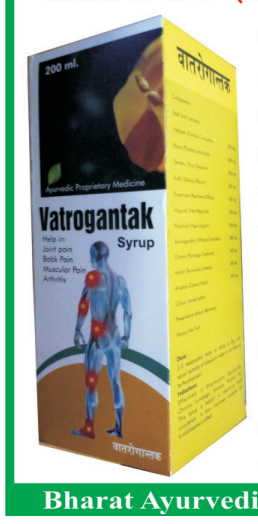

वात सम्बन्धित रोग जैसे शूल, आमवात, सन्धिवात, कटिग्रह, गृध्रसी में अचूक औषधि है, र्‌यूमीकैप कुचला, इन्द्रायान, मूल गुडूची, रसौल, लहसुन, कुलिंजन बीज, शु. गुग्गुल, रास्नापत्र, इन्द्रजौ और अमलताश आदि औषधियों का मिश्रण है। इस औषधि का प्रधान कार्य वातवाहिनी नाड़ियों पर होता है। जब वायु कुपित हो भयंकर वेदना उत्पन्न करती है तब यह कैप्सूल विशेष प्रभावकारी होता है।

Bharat Ayurvedic Works, Mob.: 9897489900

सीएसईबी चौक
स्टेडियम रोड
ट्रांसपोर्ट नगर चौक
मुड़ापार रोड

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दों व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें।

डॉ. वाय. भारद्वाज
(एम.डी.) (एन.एम.)

पतंजलि
श्रीश्री AYURVEDA
बैद्यनाथ
Dabur
ZANDU

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

दिव्य आकाश

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 08 से 14 दिसंबर 2023

सुविचार

जीवन को टुकड़ों में नहीं बांटा जा सकता, उसका 'पूर्णता' में ही विचार किया जाना चाहिए।

अटल जी

दुर्ग में 80 हजार का ब्राउन शुगर जब्त

भिलाई (एजेंसी)।

दुर्ग पुलिस ने मोहन नगर थाना क्षेत्र में एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 80 हजार रुपए का 15.02 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया गया है। आरोपी ने बताया कि वो ब्राउन शुगर को नागपुर में एक महिला के पास से लेता था। इसके बाद ट्रेन के माध्यम से दुर्ग लेकर आता था। पुलिस इस मामले में मुख्य ड्रग पैडलर को गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई कर रही है।

एडिशनल एसपी शहर अभिषेक झा ने बताया कि मोहन नगर पुलिस को मुखबिर से 10 दिसंबर को सूचना मिली थी कि एक युवक ब्राउन शुगर बेचने के लिए रखे हुए हैं। वो स्टेशन रोड दुर्ग स्थित सीटी क्लब के पास देखा गया है। उन्होंने तुरंत दुर्ग सीएसपी एमएस चंदा के नेतृत्व में एसीसीयू और मोहन नगर पुलिस की टीम गठित की। टीम ने जाकर छापेमारी की और युवक को ब्राउन शुगर बेचते हुए पकड़ा गया।

युवक ने अपना नाम यशवंत बेगड़ पिता अरुण बेगड़ (30 वर्ष) निवासी तरुण टाकीज के पीछे संतरा बाड़ी बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पैंट की जेब से 142 पुड़िया नशीली मादक पदार्थ जैसा मिला। जब उसकी प्रारंभिक जांच की गई तो वो ब्राउन शुगर पाया गया।

मुख्य ड्रग पैडलर की तलाश में दुर्ग पुलिस

एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि मोहन नगर थाना क्षेत्र में पहले भी कई बार आरोपी ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि गिरफ्तार आरोपी नशीला पदार्थ लाता कहां से था। आरोपी ने बताया कि नागपुर में एक महिला ड्रग पैडलर से वो ब्राउन शुगर लेता था। पुलिस जल्द ही उस महिला को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम भेजेगी।

प्रेमचंद पटेल ने निकाली आभार रैली

कटघोरा (दिव्य आकाश)।

कटघोरा से ऐतिहासिक विजयश्री मिलने के बाद नवनिर्वाचित भाजपा विधायक प्रेमचंद पटेल ने जनता का आभार जताने के लिए छुरीकला एवं कटघोरा में आभार रैली निकाली और सभी का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि कटघोरा की जनता खुद चुनाव लड़ रही थी और जनता जीत गई। उन्होंने कहा कि कटघोरा की जनता ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन मेरा कर्तव्य है और मैं कटघोरा के विकास एवं जनता की समृद्धि के लिए सदैव प्रयासरत रहूंगा। सभी जनता का आभार एवं सभी का वंदन एवं अभिनंदन करता हूं।

विश्वगुरु का गौरव पुनः प्राप्त करने के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर रहा भारत - उपराष्ट्रपति धनखड़

जमशेदपुर (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि भारत विश्वगुरु के रूप में गौरव पुनः प्राप्त करने के लिए अपना रास्ता तैयार कर रहा है और यह इस दशक के अंत तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। जमशेदपुर में एक्सएलआरआई के प्लैटिनम जुबली समारोह में धनखड़ ने कहा कि देश चौथी औद्योगिक क्रांति की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने संस्थान के छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, ''यह वास्तव में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से प्रेरित एक परिवर्तनकारी युग है।

कृत्रिम मेधा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, 6जी प्रौद्योगिकी और हरित हाइड्रोजन जैसी प्रौद्योगिकियों का उदय अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करता है। इनमें उद्योगों को फिर से परिभाषित करने, समाधानों की फिर से कल्पना करने और हमारे जीने एवं काम करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। उपराष्ट्रपति ने कहा, आज, हमारे देश की शक्ति को वैश्विक मान्यता मिल रही है, चाहे वह भूमि, समुद्र, वायु या अंतरिक्ष पर हो। हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और हमारी सदियों पुराने सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने वाले पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए इसे युवा नेताओं के समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत की कुशल डिजिटल भुगतान प्रणाली अब सिंगापुर जैसे देशों द्वारा अपनाई जा रही है और विश्व बैंक ने हाल ही में कहा था कि भारत ने डिजिटल समावेश के लिए छह वर्षों में जो हासिल किया है।

जांजगीर-चांपा में दूल्हा-दुल्हन सहित 5 की मौत

एक ही चिता पर पति-पत्नी का दाह संस्कार, बारात लेकर लौट रही कार को ट्रक ने मारी टक्कर

जांजगीर-चांपा।

जांजगीर में सड़क-हादसे में जान गंवाने वाले पांच लोगों का बलौदा गांव में अंतिम संस्कार किया गया। वहीं दूल्हा-दुल्हन का एक ही चिता पर दाह संस्कार किया गया। दूल्हे के पिता ओमप्रकाश भाजपा बलौदा मंडल अध्यक्ष थे। बता दें रविवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी थी। सभी दुल्हन की विदाई कराकर बलौदा से लौट रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, बलौदा निवासी सोनी परिवार के बेटे शुभम सोनी की शादी शिवरीनारायण निवासी नेहा से शनिवार रात को हुई। रविवार तड़के विदाई के बाद दूल्हा शुभम, दुल्हन नेहा, शुभम के पिता ओमप्रकाश सोनी (50), फूफा सरजू सोनी (66) और बुआ रेवती सोनी एक ही कार से घर लौट रहे थे। सुबह करीब 5 बजे पकरिया जंगल में चंडी देवी मंदिर के पास ट्रक ने कार को चपेट

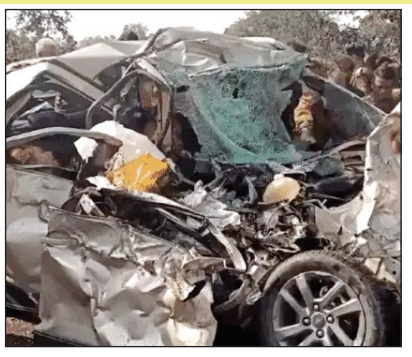

में ले लिया।

डॉक्टर ने कार सवार 5 लोगों को किया मृत घोषित

आमने-सामने ट्रक की टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए। आसपास के लोगों ने हादसा देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने दुल्हन सहित 4 लोगों को मृत घोषित कर दिया। थोड़ी देर में उपचार के दौरान दूल्हे ने भी दम तोड़ दिया।

घटना के बाद आरोपी ट्रक ड्राइवर फरार

एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि शुभम सोनी की जांजगीर में नयनतारा नाम से ज्वेलरी की दुकान है। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद कार से धुआं निकलने लगा। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी बुलाई गई। दमकलकर्मियों ने कार में लगी आग पर काबू पाया। घटना के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। ट्रक को जब्त कर लिया गया है।

रमन सिंह ने दुख जताया

रमन सिंह ने लिखा कि, विवाह जैसे खुशी के मौके पर ऐसी दुर्घटना की पीड़ा अकल्पनीय है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और परिजन को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

लैदर ग्लव्ज.. हाई बूट्स..ब्लू ऑफ शोल्डर ड्रेस में सोनम कपूर का स्टाइलिश अंदाज

विनय जायसवाल को शोकॉज नोटिस

चंदन यादव पर लगाया था पैसे लेने का आरोप, 24 घंटे के अंदर देना होगा जवाब

रायपुर (एजेंसी)।

कांग्रेस ने पूर्व विधायक विनय जायसवाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विनय जायसवाल ने प्रभारी सचिव चंदन यादव पर पैसे लेने का आरोप लगाया था। आरोपों के बाद पार्टी ने उन्हें नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है।

आपको बता दें कि विनय मनेंद्रगढ़ से विधायक थे । पार्टी ने इस बार जिन 22 विधायकों का टिकट काटा उनमें से विनय भी एक हैं। चुनाव के वक्त भी उनपर पार्टी के खिलाफ काम करने का आरोप लगा था।

विनय जायसवाल ने एक निजी चैनल पर कहा था कि उन्होंने करीब 7 लाख रुपए चंदन यादव को शहर के एक निजी होटल पर दिए थे। उन्हें ये नहीं पता कि पैसे कहां यूज हुए। उन्होंने ये पैसे पार्टी के लिए दिए थे।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी होने से पहले मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ विनय जायसवाल का ऑडियो सामने आया है, जिसमें वो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के नेता से पूछ रहे हैं कि गोंडवाना से लड़ूं कि नहीं। विधायक ने ऑडियो जारी होने के बाद इसे अनऑफिशियल और टैम्पर्ड बताया है।

भूपेश बघेल अब पूर्व मंत्री जयसिंह के बंगले में रहेंगे

रायपुर (एजेंसी)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अब जयसिंह अग्रवाल के बंगले में रहेंगे। सियासी गलियारों में चर्चा में है कि सीएम रहते हुए भूपेश बघेल ने जो अंतिम फाइल साइन की है, उसमें अपने लिए सुरक्षा और पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल वाला बंगला अलॉट किया है।

चर्चा है कि वास्तु और क्षेत्रफल को ध्यान में रखते हुए इस बंगले को चुना गया है। नई सरकार बनने के बाद इसकी जांच भी होगी कि कहीं ये फाइल बैक डेट में जाकर तो साइन नहीं किया गया है।

ये मिलेंगी सुविधाएं

पूर्व सीएम भूपेश बघेल को नए बंगले के साथ-साथ 2 ओएसडी, दो पीए और सुरक्षा के लिए 4 के बदले 6 जवान मिलेंगे। इसके साथ-साथ पूर्व सीएम भूपेश बघेल को प्रोटोकॉल के अनुसार ' प्लस सिक्योरिटी भी मिलेगी।

वास्तु और क्षेत्रफल के अनुसार लिया है बंगला

चर्चा है कि भूपेश बघेल ने जयसिंह अग्रवाल का बंगला वास्तु के अनुरूप सबसे बढ़िया होने की वजह से लिया है। पारिवारिक सदस्यों ने वास्तु के अनुसार इस बंगले का चयन किया है। अब यह भूपेश बघेल का नया निवास स्थान होगा। वास्तु के साथ-साथ यह बंगला सबसे बड़ा बंगला मना जाता है। यहां कमरों की संख्या से लेकर अन्य चीजें भी बाकी बंगलों से ज्यादा हैं।

15 दिन में होगी शिफ्टिंग

संभावना है कि भूपेश बघेल 15 दिन के भीतर मुख्यमंत्री निवास से इस नए बंगले में शिफ्ट हो जाएंगे। चूंकि बीजेपी ने अभी तक सीएम के नाम की घोषणा नहीं की है, ऐसे में फिलहाल भूपेश बघेल ही कार्यकारी सीएम हैं। आज संभावना है कि बीजेपी सीएम के नाम की घोषणा करेगी। जिसके बाद बघेल सीएम हाउस से शिफ्ट करेंगे।

फाइल की होगी चेकिंग

माना जा रहा है कि सीएम रहते हुए भूपेश ने इस फाइल पर अंतिम साइन किया है। जिसमें अपने लिए बंगले के साथ-साथ दूसरी सुविधाओं को

मंजूरी दी है। चर्चा है कि नई सरकार बनाने के बाद इस फाइल की जांच होगी कि कहीं ये फाइल बैक डेट में तो जाकर साइन नहीं की गई है।

घंटों दलदल में फंसी मादा हाथी, किया गया रेस्क्यू

सूरजपुर (एजेंसी)।

सूरजपुर वनमंडल के प्रतापपुर परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरबसपुर में विचरण कर रहे 28 हाथियों के दल की एक मादा हाथी घंटों दलदल में फंसी रही। वन विभाग के अमले ने जेसीबी की मदद से रेस्क्यू कर मादा हाथी को बाहर निकाला। बाहर निकलने के बाद मादा हाथी कुछ दूर खेत में बैठ गई।

जांजगीर-चांपा में शिशु और मां की मौत,ऑपरेशन वाली जगह से बह रहा था खून, 2 घंटे में गई दोनों की जान

जांजगीर-चांपा।

जांजगीर चांपा जिले के कापन गांव स्थित सीएससी अस्पताल में नवजात और मां की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला फूल बाई उम्र 21 वर्ष की मौत हुई है। मां से पहले नवजात शिशु ने दम तोड़ दिया था। महिला के शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। नैला चौकी उप थाना क्षेत्र की घटना है।

मिली जानकारी अनुसार, ग्राम कापन की रहे वाली महिला फूल बाई को शनिवार को प्रसव पीड़ा होने पर सीएचसी अस्पताल में शाम 7 बजे भर्ती कराया गया था, जिसके बाद रात 11 बजे तक डॉक्टर्स ने नॉर्मल प्रसव का इंतजार किया।

नवजात को डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया

नॉर्मल प्रसव नहीं होने पर रात 12 बजे ऑपरेशन कर नवजात शिशु को बाहर निकाला गया, जिसमें बच्चे की रोने की आवाज नहीं आने पर उपचार के लिए अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां डॉक्टर ने नवजात शिशु को मृत घोषित कर दिया।

तेज खून बहने से महिला की भी मौत

वहीं महिला फूल बाई को वार्ड में शिफ्ट कर रखा गया था। अचानक 1.25 बजे ऑपरेशन किए गए जगह से तेज खून निकलने पर इलाज किया जा रहा था, लेकिन खून रुका नहीं। आनन-फानन में उपचार के लिए रात 2 बजे जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर्स ने महिला को भी मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया

नैला चौकी प्रभारी संगम राम ने बताया कि प्रसव के दौरान महिला फूल बाई उम्र 21 साल और उसके नवजात शिशु की मौत हुई है। महिला के शव का पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराया गया। शव को परिजनों को सौंप दिया गया है।

डीपीएस बालको का मॉडल सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयनित

बालको नगर (दिव्य आकाश)।

दिल्ली पब्लिक स्कूल बालको की टीम ने सीबीएसई क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी-2023(भुवनेश्वर क्षेत्र) में भाग लिया। यह प्रदर्शनी एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल रायपुर में 4 एवं 5 दिसंबर को आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में जूनियर एवं सीनियर वर्ग में 25 स्कूलों के 45 मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। विद्यालय की कक्षा छठवीं की छात्राएँ पूर्वा पटेल एवं आकांक्षा पटेल ने विज्ञान शिक्षक प्रवीण पटेल के मार्गदर्शन में इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के जूनियर वर्ग में भाग लिया। प्रदर्शनी का थीम समाज के लिए

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के युग में स्वास्थ्य जीवन (पर्यावरण के लिए जीवन शैली), कृषि संचार एवं परिवहन एवं कम्प्यूटेशनल सोच पर आधारित था। विद्यालय का मॉडल जीवन पर आधारित हरा शहर था। जिसकी सभी निर्णायक मंडल के सदस्यों के साथ-साथ प्रदर्शनी में आने वालों आगतुंकों ने सराहना की। विद्यालय की टीम को दिल्ली में जनवरी 2024में प्रस्तावित सीबीएसई विज्ञान प्रदर्शनी के राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित किया गया। इस उपलब्धि के लिए प्राचार्य कैलाश पँवार एवं विद्यालय परिवार ने प्रतिभागियों अभिभावकों एवं संबंधित शिक्षक को उनके सराहनीय योगदान के लिए शुभकामनाएँ दी।

भारत-बांगलादेश में क्षेत्रीय सहयोग और विकास बन रहा मिसाल

ढाका (एजेंसी)।

भारत-बांगलादेश में क्षेत्रीय सहयोग और विकास दुनिया के लिए एक मिसाल बन रहा है। प्रधान मंत्री शेख हसीना और भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त रूप से बांग्लादेश के अखौरा और भारतीय राज्य त्रिपुरा के अगरतला के बीच 12 किमी से अधिक लंबे रेल लिंक का उद्घाटन किया। छोटे लिंक ने पूर्वोत्तर भारत और बांग्लादेश के बीच रेल आवाजाही सुनिश्चित की। अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि समय के साथ, यह अगरतला से बांग्लादेश के रास्ते कोलकाता तक रेल आवाजाही का अवसर पैदा करेगा।

सुविचार

कड़ी मेहनत कभी थकान नहीं लाती है, यह संतोष लाती है।

नरेन्द्र दामोदर मोदी

सरोकार

मोदी की गारंटी पूरी करने आदिवासी पर भरोसा

मोदी की गारंटी पर छत्तीसगढ़ में भाजपा को बड़ा जनादेश मिलने के बाद रविवार 10 दिसंबर को छत्तीसगढ़ का नया मुख्यमंत्री भी मिल गया। विष्णुदेव साय को विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। वे रविवार शाम को भी राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। छत्तीसगढ़ के लिए मुख्यमंत्री का स्क्रीप्ट केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लिखा और प्रदेश प्रभारी ओम माथुर तथा पर्यवेक्षक झारखंड के पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा स्क्रीप्ट लेकर विधायक दल की बैठक में गए और विधायक दल की बैठक में विष्णुदेव साय के नाम ऐलान किया गया। डॉ. रमन सिंह स्पीकर होंगे। प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

संपादक

सत्ता छिनने पर बेचैन कांग्रेसी भाग रहे जिम्मेदारी से!

जनता के जनादेश का सम्मान कर फिर खड़ी हो सकती है कांग्रेस, लेकिन अनर्गल प्रलाप से कांग्रेस होगी और कमजोर

छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस को पांच साल में ही उखाड़ फेंका। कहां कमी रह गई, इस बात का चिंतन कांग्रेस को करना चाहिए और जनादेश का आदर करते हुए अनर्गल प्रलाप को छोड़कर रचनात्म कार्यों में लग जाए। इन दिनों सरकार खोने से बेचैन और टिकिट न मिलने के कारण कई कांग्रेसी अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं, जिससे कांग्रेस और कमजोर होगी तथा छवि भी खराब होगी। कुछ नेताओं ने तो हद कर दी और कुछ भी बके जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 03 दिसंबर को ही शाम को जनादेश का सम्मान करते हुए राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया और कहा कि जनता ने जो जनादेश दिया है, वह स्वीकार है और कहा कि हम अपनी भूमिका के लिए तैयार हैं। राहुल गांधी ने भी शालीनता के साथ जनादेश को स्वीकार किया और कहा कि हम अपने विचार की लड़ाई जारी रखेंगे, लेकिन छत्तीसगढ़ कांग्रेस में अंतर्कलह चरम पर फिर दिखी। टिकिट न मिलने से हताश पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह ने तो हदें ही पार कर दी और वरिष्ठ नेताओं पर कीचड़ उछालना प्रारंभ कर दिया। पूर्व

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने सीधा हारने का कारण पूर्व सीएम भूपेश बघेल को ही बता दिया। हार-जीत राजनीतिक के दो पहलू हैं, कभी हार होती है तो आगे जीत का रास्ता भी खुलता है, इसके लिए बड़ा दिल रखकर जनता के जनादेश को स्वीकार करना भी सीखना होगा। हर कोई अपने कार्यकाल में अच्छा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर कोई अच्छा नेता जीत जाए। इस बात का गुरूर भी नहीं होना चाहिए कि मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं और मैं ही जीत जाऊं। इस बार फिर जनता ने मोदी की गारंटी पर विश्वास किया और छत्तीसगढ़ में भाजपा को विजयश्री मिली। हर राजनेता श्रेष्ठ हो सकता है, लेकिन राजनीति में सबको उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है और जो इस चुनौती को स्वीकार कर आगे बढ़ता है, उसे जनता सिर आंखों पर बिठाती है और नए चुने प्रतिनिधि तथा पुराने प्रतिनिधि के कार्यकाल का आंकलन भी करती है और जो बेहतर प्रतिनिधि साबित होता है, आने वाले समय में उसे सफलता अवश्य मिलती है। समय का इंतजार करें और हारे हुए प्रतिनिधि फिर से जनता की बेहतरी के लिए रचनात्मक कार्य करें ताकि आने वाला भविष्य फिर से स्वर्णीम बन सके। हारने के बाद भी नेता जनता की सेवा कर सकता है, ध्येय बड़ा रखें और रचनात्मक कार्य करना न भूलें। विपक्ष में बैठकर सरकार की निगरानी करें और जो योजना जनता के हित में हैं, उसे क्रियान्वित करने में सहयोग करें। जो काम जनता के हित में न हों, उसका विरोध भी करें और सरकार की गलत नीतियों को रोकें। जनता ने कांग्रेस को मजबूत विपक्ष के रूप में आशीर्वाद दिया है, इसके लिए रणनीति तैयार करें और अपनी जिम्मेदारी के लिए जूट जाएं। अनर्गल प्रलाप कर पार्टी को तोड़ने का काम करना व्यक्ति विशेष के लिए भी हानिकारक है।

जनता ने मजबूत विपक्ष भी दिया

छत्तीसगढ़ विधानसभा में इस बार विपक्ष कमजोर नहीं होगा, बशर्ते जीते हुए कांग्रेस विधायक दमदारी के साथ सरकार की खामियों और गलत नीतियों का विरोध करें और अच्छी योजनाओं के लिए सराहना भी करें, तभी छत्तीसगढ़ विधानसभा एक आदर्श प्रस्तुत कर सकेगी और देश में मॉडल विधानसभा के रूप में छत्तीसगढ़ की पहचान बनेगी। जनता ने कांग्रेस को भी बेहतर आशीर्वाद दिया है और 35 सीटों में जीत दिलायी है। इस बार सरकार भाजपा चलायेगी, लेकिन कांग्रेस भी मजबूत विपक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाए और जनता की बेहतरी के लिए काम करे तो फिर से कांग्रेस खड़ी हो सकती है।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

लैदर ग्लव्ज.. हाई बूट्स..ब्लू ऑफ शोल्डर ड्रेस में सोनम कपूर का स्टाइलिश अंदाज

मूडीज रिपोर्ट:भारतीय बैंकों का बढ़ेगा मुनाफा

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की एक रिपोर्ट के अनुसार, कम प्रावधान खर्च और ज्यादा यील्ड वाले खुदरा क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि के कारण भारतीय बैंकों के मुनाफे में वृद्धि देखी जा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, महामारी से उबरने के दौरान बैंकों का मुनाफा स्थिर होने की उम्मीद है, शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) स्थिर रहने का अनुमान है। यह स्थिरता इसलिए है क्योंकि केंद्रीय बैंकों द्वारा दर वृद्धि को रोके रखा गया है और प्रावधान खर्चों को भी बढ़ने नहीं दिया गया है।

हालिया पॉलिसी एडजस्टमेंट के बाद लोन मूल्य निर्धारण में बदलाव के कारण चीनी बैंक ज्यादा संघर्ष कर सकते हैं। चीन की धीमी अर्थव्यवस्था के कारण क्षेत्र में समग्र आर्थिक स्थिति चिंताजनक है, जो कम स्थानीय मांग, खराब निर्यात और संपत्ति बाजार में सुधार जैसे कारकों से प्रभावित है। यह मंदी पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन का आर्थिक सुधार धीमा हो रहा है, 2023 में विकास दर 5त्न और 2024 में 4त्न होने का अनुमान है। यह मंदी सिर्फ चीन के लिए एक समस्या नहीं है; यह व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए भी जोखिम पैदा करता है। यह बैंकिंग, लोन क्वालिटी और समग्र आर्थिक स्थिरता जैसी चीज़ों को प्रभावित कर सकता है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि चीन की जीडीपी 2023 में 5 प्रतिशत और 2024 में 4 प्रतिशत बढ़ेगी। चीन में धीमी वृद्धि का इस क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। भले ही ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत समग्र विकास की उम्मीद है, लेकिन उन लोगों के लिए जोखिम हैं जिनके पास बहुत ज्यादा होम लोन और रियल एस्टेट में निवेश है। इससे ऋण की समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है। विशेष रूप से चीनी बैंक, आर्थिक मंदी और संपत्ति डेवलपर्स के बीच चुनौतियों के कारण ज्यादा जोखिम हैं।

कठिन समय के बावजूद क्षेत्र के बैंकों के पास उतनी ही धनराशि होने की उम्मीद है। बैंक पैसा कमा रहे हैं और अपने लाभांश का सावधानीपूर्वक प्रबंधन कर रहे हैं, इसलिए उनके पास अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए पर्याप्त पैसा होगा।

अधिकारी बेसल III नियमों का पालन करके बैंकों को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन हर देश में इसका असर अलग-अलग होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों के पास जमा राशि से पर्याप्त पैसा है और वे चीजों को सुरक्षित रखने के लिए नियमों का पालन कर रहे हैं। एजेंसी

राजीव लोचन मंदिर : कहते हैं कि यहां भगवान अपने हाथों से प्रसाद ग्रहण करते हैं!

राजिम को छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहा जाता है। अगर आपको नदियाँ, सुंदर नज़ारे और मंदिर इन तीनों के दर्शन करना हो तो राजिम ज़रूर आइए। बारिश के मौसम में तो इसकी खूबसूरती और अधिक बढ़ जाती है। महानदी, पैरी नदी तथा सोंढुर नदी का संगम होने के कारण इसे छत्तीसगढ़ का त्रिवेणी संगम कहा जाता है। प्रतिवर्ष यहाँ पर माघ पूर्णिमा से लेकर महाशिवरात्रि तक एक विशाल मेला लगता है। छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए यह स्थान आस्था का बड़ा केंद्र है। रमन सिंह की सरकार में इसे कुंभ मेले का भी नाम दिया गया था। हालांकि कांग्रेस सरकार के आने के बाद कुंभ नाम हटा दिया गया।

संगम के मध्य में कुलेश्वर महादेव का विशाल मंदिर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि वनवास काल में श्री राम ने इस स्थान पर अपने कुलदेवता महादेव जी की पूजा की थी। इस स्थान का प्राचीन नाम कमलक्षेत्र भी है। मान्यता के अनुसार सृष्टि के आरम्भ में भगवान विष्णु के नाभि से निकला कमल यहीं पर स्थित था और ब्रह्मा जी ने यहीं से सृष्टि की रचना की थी इसीलिए इसका नाम कमलक्षेत्र पड़ा।

वैसे तो राजिम में कई प्रमुख मंदिर और आकर्षण के केंद्र हैं। लेकिन आज हम बात करेंगे

यहाँ के प्रसिद्ध राजीव लोचन मंदिर के बारे में। राजीवलोचन का मन्दिर चतुर्थाकार में बनाया गया है। यह भगवान काले पत्थर की बनी विष्णु की चतुर्भुजी मूर्ति है जिसके हाथों में शंक, चक्र, गदा और पदम है। ऐसी मान्यता है कि गज और ग्राह की लड़ाई के बाद भगवान ने यहाँ के राजा रत्नाकर को दर्शन दिए, जिसके बाद उन्होंने इस मंदिर का निर्माण कराया। इसलिए इस क्षेत्र को हरिहर क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है। हरि मतलब राजीव लोचन जी और उनके पास ही एक और मंदिर है जिसे हर यानी राजराजेश्वर कहा जाता है। अभी जो मंदिर है यह करीब सातवीं सदी का है। प्राप्त शिलालेख के अनुसार इसका निर्माण नलवंशी नरेश विलासतुंग ने कराया था।

भगवान राजीवलोचन मंदिर प्रांगण मे ही राजिम तेलीन का भी मंदिर है। माना जाता है कि राजिम तेलीन भगवान की असीम भक्त थी। बताया जाता है कि इस क्षेत्र का पुराना नाम पद्मावती पुरी भी है, बाद में राजिम तेलीन के नाम पर राजिम नाम से जाना जाने लगा। मंदिर के उत्तर दिशा में स्थि द्वार से बाहर निकलने के बाद आप साक्षी गोपाल का दर्शन कर सकते हैं। साथ ही मंदिर के चारों ओर नृसिंह अवतार, बद्री अवतार, वामनावतार, वराह अवतार यानी चार अवतारों का दर्शन कर सकते हैं।

मंदिर में निर्मित मूर्तियाँ और दीवारों पर उकेरी गई कलाकृतियाँ शानदार है। ये कलाकृतियाँ अत्यंत ही मनोरम और मनमोहक है। मंदिर देखने में सफेद दिखता है लेकिन वास्तव में यह सफेद नहीं है। मंदिर का अधिकांशत: हिस्सा पत्थर और ऊपर का हिस्सा ईट से बना है। चूने की पुताई की वजह से मंदिर सफेद दिखता है।

भगवान के तीन दिव्य रुपों के होते हैं दर्शन - राजीव लोचन मंदिर में भगवान के तीन रुपों के दर्शन होते हैं। सुबह में भगवान के बाल्य रुप, दोपहर में युवा अवस्था और रात में वृद्धावस्था के दर्शन होते हैं।

आरती और भोग - भगवान को दाल चावल और सब्जी का भोग लगता है। सुबह में आरती और भोग के बाद मंदिर 12 बजे बंद कर दिया जाता है। कहा जाता है कि भगवान तब शयन करते हैं। इसके लिए उनका बिस्तर भी लगाया जाता है। जिसके बाद पुन: 2.30 में मंदिर खुलता है और आरती, भोग लगता है। इसके बाद शाम में दो आरती होती है। आरती के बाद भगवान को भोग लगाया जाता है और फिर उनके शयन के लिए बिस्तर लगाया जाता है। शनिवार के दिन भगवान की विशेष पूजा की जाती है, उनका विशेष श्रृंगार भी किया जाता है। राजीव लोचन भगवान को तिल के तेल से लेपा जाता है, फिर श्रृंगार किया जाता है।

रहस्य - लोगों और वहाँ के पुजारियों को मानना है कि भगवान यहाँ साक्षात प्रकट होते हैं। उनके होने का अनुभव लोगों ने किया है। कहा जाता है कि कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि भगवान ने भोग को ग्रहण किया है। कई बार दाल चावल पर हाथ के निशान मिले हैं। साथ ही कई बार यह भी देखा गया है कि भगवान के बिस्तर पर तेल, तकिये आदि बिखरे पड़े रहते हैं। कई चैनलों ने इसकी पड़ताल भी की और अधिकतर पड़ताल में यह रहस्य सही पाया गया है।

कैसे पहुँचें- राजीव लोचन मंदिर रायपुर से करीब 45-50 कि.मी. दूर है। जाने के लिए आप अपनी स्वयं के वाहन से भी जा सकते हैं। अगर आप बस से जाना चाहें तो पचपेढ़ी से आपको बस मिल जाएगी। राजिम बस स्टैंड से थोड़ी दूर पर मंदिर स्थित है। आप वहाँ से पैदल या रिक्शा लेकर जा सकते हैं। एजेंसी।

कियारा आडवाणी को फैमिली ट्रिप पर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने किया था प्रपोज

बोली थी शेरशाह की ये पॉपुलर लाइन

मुम्बई (एजेंसी)।

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा बॉलीवुड के पावर कपल में गिने जाते हैं। दोनों की लव स्टोरी किसी फेयरी टेल से कम नहीं है। फिल्म शेरशाह के सेट से शुरू हुआ कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा का प्यार शादी तक पहुंचा। कियारा आडवाणी हाल ही में विक्की कौशल के साथ सेलिब्रिटी चैट शो कॉफी विद करण में पहुंचीं। जहां, दोनों स्टार्स ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात की।

फैमिली ट्रिप पर किया प्रपोज

कियारा आडवाणी ने बताया कि सिद्धार्थ मल्होत्रा ने उन्हें शादी के लिए कैसे और कहां प्रपोज किया था। एक्ट्रेस ने खुलासा किया सिद्धार्थ ने फैमिली ट्रिप के दौरान रोम में उन्हें सरप्राइज दिया था। इस बीच एक्टर ने अपने भतीजे को भी ड्यूटी पर लगा रहा था, ताकि वो इस खूबसूरत पल को कैमरे में कैद कर सके।

कियारा को नहीं थी भनक

कियारा आडवाणी ने कहा, ये पहली जगह थी जहां हम ट्रिप पर गए थे। वो हमें मिशेलिन स्टार रेस्तरां में ले गया और उसका भतीजा हमारे साथ था जिसे तस्वीरें लेनी थी और उस पल को कैद करना था। मुझे बहुत नींद आ रही थी, क्योंकि बस कुछ देर पहले ही वहां पहुंची थी और उन्हें ट्रिप में ज्वाइन किया, तो मैं बहुत थकी हुई थी। उनसे सब कुछ प्लान करके रखा हुआ था।

शेरशाह के डायलॉग से किया इम्प्रेस

एक्ट्रेस ने आगे कहा, उसने ऊंचाई पर कैंडल लाइट डिनर प्लान किया। इसके बाद वो मुझे वॉक पर ले

गया, जहां अचानक झाड़ियों से एक वायलिन बजाने वाले बाहर निकल कर आया और प्यारी-सी धुन प्ले कर रह था। जबकि सिद्धार्थ का भतीजा झाड़ियों के पीछे से हमारा वीडियो बना रहा था। सिड अपने एक घुटने पर बैठ गया और उसने मुझे प्रपोज किया। मैं बहुत ज्यादा खुश थी। फिर उसने शेरशाह की लाइन बोली- दिल्ली का सीधा-सादा लौंडा हूं...पूरा डायलॉग और मैं हंसने लगी।

कियारा-सिद्धार्थ की वेडिंग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने इस साल फरवरी में अपने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी। टाइट सिक्योरिटी के बीच दोनों ने राजस्थान के जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी।

आसीम रिजाय से हुआ हिमांशी खुराना का ब्रेकअप, धर्म की वजह से टूटा रिश्ता

मुम्बई (एजेंसी)।

सुपरस्टार सलमान खान के शो बिग बॉस के घर से कई सेलेब्स की जोड़ी बनती है और शो के बाद भी उनका रिश्ता कायम रहता है। लेकिन ये भी कई बार देखा गया है कि काफी समय एक दूसरे को डेट करने के बाद उस रिश्ते में दरार भी आती है।

कुछ ऐसा ही हाल अब बिग बॉस 13 फेम हिमांशी खुराना और असीम रियाज हुआ है। जी हां हिमांशी खुराना और आसीम रियाज का ब्रेकअप हो गया है।

अलग हुए हिमांशी खुराना और आसीम

बिग बॉस 13 रनर अप आसीम रियाज से अलग होने की सूचना हिमांशी खुराना ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर दी है। हिमांशी ने ट्विटर पर एक नोट शेयर किया है, इस नोट में हिमांशी ने इस बात की जानकारी दी है-

हां हम अब साथ नहीं हैं, हमने जो भी वक्त साथ में बिताया वह बहुत अच्छा रहा है। लेकिन अब हमारा साथ खत्म हो गया है। हमारे रिश्ते का जितना भी सफर था वो बहुत अच्छा रहा और अब हम अपने-अपने जीवन में आग बढ़ रहे हैं। अपने-अपने धर्मों का सम्मान करते हुए कई धार्मिक मान्यताओं के मद्देनजर रखते हुए हम अपने प्यार का त्याग कर रहे हैं। हमारे मन में अब एक दूसरे के लिए कुछ भी नहीं है। हम आपसे हमारी प्राइवेसी का सम्मान करने की इच्छा व्यक्त करते हैं।

4 साल बाद टूटा रिश्ता

हिमांशी खुराना और आसीम रियाज की जोड़ी साल 2019 में बिग बॉस सीजन 13 से बनी थी। इस शो से बाहर आने के बाद इन दोनों का इश्क परवान चढ़ा। सोशल मीडिया पर इस कपल की रोमांटिक तस्वीरों ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं, यही नहीं की गानों में भी ये दोनों एक साथ नजर आए। अब 4 साल बाद इन दोनों की राहें हमेशा के लिए जुदा हो गई हैं।

रंगमंच तो रंगमंच ही होता है, उसकी अपनी एक अलग दुनिया दुनिया होती है- अभिनेत्री सीमा पाहवा

मुम्बई (एजेंसी)।

अभिनेत्री सीमा पाहवा का रंगमंच की दुनिया से गहरा जुड़ाव है। 22 जनवरी से प्रदर्शित होने वाले जी थिएटर के टेलीप्ले (टीवी पर नाटक मंचन की विधा) कोई बात चले में अभिनय व निर्देशन की दोहरी जिम्मेदारी उन्होंने संभाली है। फिल्म रामप्रसाद की तेरहवीं के बाद दूसरी फिल्म निर्देशित करने की भी उनकी योजना है।

हिंदी साहित्य के प्रचार प्रसार में नाटकों का क्या योगदान देखती हैं?

हिंदी और उर्दू साहित्य के प्रचार प्रसार में नाटकों का बड़ा योगदान रहा है। हम नाटकों में जिन कहानियों का चयन करते हैं, वो ज्यादातर हमारे साहित्य से ही होती हैं। आज की पीढ़ी का विदेशी चीजों की तरफ आकर्षण तेजी से बढ़ा है। पता ही नहीं चलता कि हम भारतीय संस्कृति कहां छोड़ आए। थिएटर, जहां साहित्यिक कहानियों का मंचन होता है, वहां एक सीमित दर्शक वर्ग ही पहुंच पाता है। जो दर्शक वर्ग अभी घर पर ही है और उनका थिएटर से परिचय नहीं हुआ है, उनके लिए टेलीप्ले अच्छी शुरुआत है, जहां वह घर बैठे ही थिएटर से जुड़ सकते हैं। इससे साहित्य में उनकी दिलचस्पी भी बढ़ सकती है।

नाटकों की दुनिया में टेलीप्ले को कितना क्रांतिकारी माध्यम मानती हैं?

रंगमंच तो रंगमंच ही होता है, उसकी अपनी दुनिया और अनुभव होता है। हां, टेलीप्ले के जरिए नाटकों को स्क्रीन पर लाना बहुत अलग प्रयोग है, लोग इसे कितना पसंद करेंगे, यह सवाल तो अभी बना हुआ है। बाकी हमारी कोशिश तो पूरी है कि इसके जरिए हम लोगों तक नाटक और अपने साहित्य को पहुंचा सकें।

इसके निर्देशन में सबसे चुनौतीपूर्ण क्या रहा?

किसी एक कलाकार का अभिनय के साथ कहानी पढ़ना मेरे और लोगों सभी के लिए एक नया अनुभव है। सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि पढ़ते समय कलाकार की नजर किताब पर होती है, ऐसे में अगर आप दर्शकों से आंख नहीं मिलाते तो उनसे जुड़ाव टूट जाता है। दर्शकों से जुड़ाव बनाए रखने के लिए हमने कलाकारों के हाथ में कहानी तो दी, लेकिन उन्हें वह अभिनय के साथ संतुलन बनाते हुए दर्शकों की आंखों में देखकर पढ़ना था।

रोमांस का नया अंदाज पेश करने वाले देव आनंद, कभी नहीं खोला खुद की शर्ट का बटन...

मुम्बई (एजेंसी)।

हिंदी सिनेमा के असली स्टाइल आइकन देवानंद की आज 100वीं जयंती है। देव साहब का जन्म साल 26 सितंबर 1923 को गुरदासपुर में हुआ था। सिर पर कैपी टोपी और गले में स्कार्फ पहनना देव साहब का शौक था।

उन्होंने एक बार कहा था कि वो सिनेमा के लिए ताउम्र जवान रहेंगे। बात सही भी है, वो अपनी उम्र के 88 साल तक यूथ आइकन बने रहे। उन्होंने तीन पीढ़ियों की हिरोइनों के साथ फिल्में की थीं।

जब उठी फिल्म बैन की मांग...

तिरछी चाल, डायलॉग डिलीवरी का खास अंदाज, उनकी अदाएं...उफ्फ! देव आनंद सदाबहार रोमांटिक अदाकार के रूप में हमेशा अमर रहेंगे। वो अपने वक्त से कई दशक आगे थे। साल 1965 में आई उनकी फिल्म गाइड में व्याभिचार का एंगल दिखाया गया था। ये फिल्म इतने विवादों में रही कि इसे बैन करने के लिए सेंसर बोर्ड को चिट्ठी भी लिखी गई।

इन सब के बावजूद देव आनंद की गाइड को लोगों ने खूब पसंद किया। करीब 60 साल पहले आई इस फिल्म के बाद से ही बालीवुड या हिंदी सिनेमा में रंगीन फिल्मों को दौर शुरू हुआ।

शर्ट के ऊपर का बटन हमेशा बंद रखते थे

सिनेमा के हर दिल अजीज शख्सियत देव आनंद अपनी शर्ट के ऊपर का बटन बंद

रखा करते थे। इसकी वजह का खुलासा अपनी आत्मकथा Romancing with life में किया है। बकौल देव साहब-

जैकी श्रॉफ सहित तमाम अदाकारों को किया इंट्रोड्यूज

आज के दौर में बॉलीवुड इंडस्ट्री में सलमान खान को नये हुनर को मौका देने के लिए जाना जाता है, लेकिन एक दौर ऐसा भी गुजरा है जब देव आनंद को इसके लिए जाना जाता था। उन्होंने जैकी श्रॉफ, तबू, टीना मुनीम, जीनत अमान को फिल्मों में इंट्रोड्यूज किया।

शोले में धर्मेंद्र ने इस एक सीन के लिए खर्च कर दिए थे हजारों रुपये, हेमा मालिनी बनी थीं वजह

मुम्बई (एजेंसी)।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के ही-मैन धर्मेंद्र अपना बर्थडे सेलिब्रेट करने जा रहे हैं। कुछ घंटे में एक्टर 88 साल के होने वाले हैं। धर्मेंद्र ने बॉलीवुड में एक लंबा और सक्सेसफुल करियर देखा। एक्टर की फैन फॉलोइंग भी तगड़ी है। धर्मेंद्र ने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1960 में फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे के साथ की थी। इसके बाद उन्होंने कई यादगार फिल्मों में काम किया। आज भी एक्टर फिल्मों में एक्टिव है।

एवरग्रीन एक्टर हैं धर्मेंद्र - धर्मेंद्र साल 2023 में फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आए थे। फिल्म में शबाना आजमी संग उनके किसिंग सीन ने खूब चर्चा बटोरी थी। धर्मेंद्र रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ साबित कर दिया वो आज भी उतने ही कमाल के एक्टर हैं, जितने शानदार गुजरे दौर में थे। धर्मेंद्र के 88वें जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ा एक मजेदार किस्सा...

हेमा मालिनी के लिए उड़ाए हजारों - धर्मेंद्र के करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शोले भी शामिल है। एक्टर ने इस फिल्म में तब काम किया था, जब वो हेमा मालिनी को अपना दिल दे बैठे थे और उन्हें इम्प्रेस करने के लिए धर्मेंद्र ने हजारों रूपए उड़ाए थे।

प्रेग्नेंट बीवी रुबीना दिलैक का ऐसे ध्यान रख रहे हैं अभिनव शुक्ला

मुम्बई (एजेंसी)।

टीवी की फेमस एक्ट्रेस रुबीना दिलैक इन दिनों प्रेग्नेंसी एंजॉय कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया था कि वह जल्द ट्विन्स बेबी की मां बनने जा रही हैं।

एक्ट्रेस अगले साल जनवरी या फिर इस महीने के आखिर में बच्चों को जन्म दे सकती हैं। एक्ट्रेस का प्रेग्नेंसी का 9वां महीना चल रहा है। एक्ट्रेस इन दिनों अपने नए शो किसीने बताया नहीं को लेकर सुर्खियों में है। यहां रुबीना पर्सनल लाइफ को लेकर खुलासे करती नजर आ रही हैं।

रुबीना की पैरों की करते हैं मालिश

बीते दिनों इस शो को पहला एपिडोस रिलीज हुआ था। वहीं अब दूसरा भी टेलिकास्ट हो चुका है। इस बार शो में रुबीना के साथ उनकी दोस्त भारती सिंह भी नजर आई। जो काफी मजेदार रहा। इस दौरान रुबीना ने भारती सिंह को बताया कि कैसे प्रेग्नेंसी में उनके पति अभिनव शुक्ला उनका ध्यान रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि, एक रात मैं अभिनव का नाम लेकर जोर से चिल्लाई। अभिनव सो रहे थे और वह एकदम से उठे। उन्हें लगा कि मुझे अस्पताल ले जाने का समय आ गया है। मैंने उनसे कहा कि ये मांसपेशियों में ऐंठन है। एक घंटे तक वो मेरे पैरों की मालिश करते रहें।

रिश्ते में आया ये बदलाव

इतना ही नहीं उन्होंने भारती को बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उनके बीच चीजें कैसे बदली। एक्ट्रेस ने कहा, हम 9 साल से एक साथ हैं। 4 साल एक साथ और 5 साल शादी को। हमेशा मैं ही लड़ाई के बाद अभिनव से मांगी मांगती रही हूं, लेकिन इन 9 महीनों में उन्होंने मुझसे दिल खोलकर माफी मांगी है। अगर उनकी कोई गलती नहीं है तो भी वह सॉरी बोल रहे हैं। एक्ट्रेस शादी के बाद अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस दिसंबर के शुरुआत में एक्ट्रेस बच्चे को जन्म देगी। हालांकि अभी तक कोई ऑफिशियल डेट सामने नहीं आई है।

प्रदेश में सुशासन का असर कोरबा में भी दिखेगा

नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों की प्रेसवार्ता

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा एवं कटघोरा से नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने जीत के बाद पहली प्रेसवार्ता पंडित दीनदयाल कुंज जिला भाजपा कार्यालय टीपी नगर में ली।

जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन एवं कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। सबसे पहले डॉ. राजीव सिंह ने जिले भर के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं मतदाताओं सहित जनता का अभिनंदन एवं आभार जताया और कहा कि इस बार जनता ने कोरबा का राजनीतिक परिदृष्य बदला है और हम दो सीटों पर ऐतिहासिक विजय हासिल की है। पाली-तानाखार में भी भाजपा ने पहले से अच्छा प्रदर्शन किया है। रामपुर में हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी। एक प्रश्न के जवाब में डॉ. सिंह ने कहा कि पूरा संगठन एकजुट होकर पूरे जिले में काम किया और कहीं भी भीतर घात नहीं हुआ। हम आगे और अच्छा प्रदर्शन करेंगे और लोकसभा, नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव में और अच्छा परिणाम लायेंगे।

कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा कि प्रदेश भाजपा ने जो घोषणापत्र जारी किया था, वह मोदी की गारंटी का संकल्प पत्र था और सरकार गठन के बाद इस बार अमल प्रारंभ हो जाएगा, इसके अलावा हमने स्थानीय मुद्दों को लेकर भी संकल्प पत्र तैयार कर जो घोषणा हमने की है, उसे भी पूरा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय संकल्प पत्र में हमने कटघोरा को जिला बनाने की भी घोषणा की है, सरकार गठन के बाद कटघोरा वासियों के साथ मिलकर इसकी भी पहल करेंगे और हमारी सरकार पर विश्वास है कि हम कटघोरा को जिला बनाएंगे। तात्कालीन विधायक की घोषणा आज तक पूरा नहीं हो पायी, उसे हम पूरा करेंगे। भू-विस्थापितों की समस्या कटघोरा क्षेत्र में बहुत बड़ी है, भू-विस्थापितों ने भाजपा पर विश्वास किया है, हम उनके साथ खड़े रहेंगे। एसईसीएल की खदानों में स्थानीय बेरोजगारों को काम मिले, इसके लिए शीघ्र ही सभी महाप्रबंधकों के साथ मीटिंग करेंगे, ताकि जमीन और घर तक देश के निर्माण में देने वाले भू-विस्थापितों का जीवन बेहतर हो और उन्हें एसईसीएल की खदानों में नौकरी, रोजगार और पर्याप्त मुआवजा मिले। हरदीबाजार-दीपका बायपास मार्ग का निर्माण शीघ्र हो इसके लिए पहल की जाएगी। पूरे क्षेत्र में विकास दिखेगा, यह भाजपा की गारंटी होगी।

कोरबा से नवनिर्वाचित विधायक लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश में सुशासन का असर कोरबा में भी दिखेगा और डबल इंजन की सरकार से कोरबा के विकास को भी गति मिलेगी। इस बार हर वार्ड में बिना भेदभाव के विकास को नया आयाम दिया जाएगा। कोरबा से भय और भ्रष्टाचार का खात्मा होगा और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केन्द्र पोषित योजनाओं और राज्य पोषित योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। पत्रकारवार्ता में पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर,कोरबा विधानसभा चुनाव संचालक अशोक चावलानी, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, जिला कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, निगम के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, जिला भाजपा उपाध्यक्ष प्रफूल्ल तिवारी, भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आरीफ खान, पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित महिला मोर्चा, युवा मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कटघोरा के भू-माफियाओं पर होगी कार्यवाही, चलेगा बुलडोजर - प्रेमचंद पटेल

कटघोरा के नवनिर्वाचित विधायक प्रेमचंद पटेल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि कटघोरा में भू-माफियाओं की खैर नहीं। करोड़ों की जनपद पंचायत कटघोरा के जमीन घोटाले की जांच कराई जाएगी। संभव है अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया जाएगा। दिव्य आकाश ने कटघोरा जनपद की जमीन में बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया था। मामले को कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने संज्ञान में लिया और कहा कि कटघोरा में भू-माफियाओं की खैर नहीं और जहां-जहां जमीन घोटाला हुआ है, उसकी जांच करायी जाएगी और संभव है बुलडोजर भी चलेगा तथा जो भी इसमें दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ बड़ा एक्शन भी होगा। ज्ञातव्य हो कि कटघोरा जनपद की भूमि को अवैध तरीके से पूर्व विधायक पुरूषोत्तम कंवर के नजदीकी कांग्रेस नेताओं ने अपने नाम रजिस्ट्री करा लिया है।

कोरबा से ऐतिहासिक विजयश्री मिलने के बाद नवनिर्वाचित विधायक लखनलाल देवांगन का भाजपा कार्यालय में जोरदार स्वागत

जिले भर से पहुंचे कार्यकर्ता

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा से ऐतिहासिक विजयश्री मिलने के बाद अभी तक कोरबा में जश्न का माहौल छाया हुआ है। कोरबा विधानसभा क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मिलने के बाद नवनिर्वाचित कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल सहित प्रदेश के सभी नवनिर्वाचित भाजपा विधायक दूसरे दिन रायपुर चले गए थे, जहां छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर ने सभी की बैठक ली और सरकार गठन पर चर्चा की। आज सुबह सभी विधायक अपने गंतव्य की ओर चले गए। श्री देवांगन एवं श्री पटेल भी अपने निर्वाचन क्षेत्र पहुंचकर विभिन्न कार्यक्रमों में एवं स्वागत कार्यक्रमों में सुबह से शाम तक व्यस्त रहे। आज जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता के बाद लखनलाल देवांगन के स्वागत में भाजपा ने स्वागत कार्यक्रम रखा, जिसमें जिले भर से भाजपा के पदाधिकारी,महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, चिकित्सा प्रकोष्ठ, किसान मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, जनजाति मोर्चा,पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने लखनलाल देवांगन, कोरबा विधानसभा क्षेत्र के चुनाव संचालक, निर्वाचन अभिकर्ता, जिलाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्षों एवं चुनाव में बेहतर भूमिका निभाने वाले नेताओं का स्वागत किया गया। इस अवसर पर लखनलाल देवांगन ने सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया और कहा कि मैं कोरबा की समस्त जनता का वंदन एवं अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने एक आम कार्यकर्ता को भरपूर आशीर्वाद दिया और अपना सेवक चुनकर कोरबा एवं कोरबावासियों की सेवा का मौका दिया। मैं विश्वास दिलाता हूं कि कोरबा में अब भाजपा ही नहीं बल्कि सभी दलों के कार्यकर्ताओं की पूछ परख होगी और सभी का काम दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम होगा। उन्होंने कहा कि मैं महल में नहीं रहता और ना ही मेरे घर में पहरा रहता है। मैं कोरबा की जनता के लिए हर समय दरवाजा खुला रखता हूं और कोई भी मेरे घर में बिना झिझक आ सकता है। अब कोरबा में न लूट होगी न ही खसोट। पूरी पारदर्शिता के साथ कोरबा का विकास मेरी प्राथमिकता में रहेगी और जनता का हर काम होगा। अब 30 प्रतिशत का खेल नहीं चलने वाला। प्रदेश में सुशासन आ गया है, जिसका असर कोरबा में भी आप सभी को दिखेगा। कोरबा का विकास अब इन पांच सालों में दिखेगा और कोरबा की तस्वीर बिना भेदभाव उजली होगी। सभी वार्डों में काम दिखेगा। मैं उन गैर भाजपाईयों का भी वंदन करता हूं जो 15 साल के दबंग नेता के कार्यकाल में मायूस और उदास थे, जिनका भरपूर सहयोग भाजपा को मिला।

नव निर्वाचित विधायक लखन लाल पहुंचे अमित के निवास, लिए माँ से आशीर्वाद

निर्वाचित कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन ने मंगलवार की सुबह भाजपा के युवा नेता अमित नवरंग लाल के निवास स्थान पर जाकर मुलाकात कर उनकी मां से आशीर्वाद लिया। इस दौरान घर के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। लखन लाल देवांगन इन दिनों अपने खास समर्थकों के घर पर जाकर मुलाकात कर रहे हैं । चुनाव में अमित द्वारा लखन की पक्ष में जमकर प्रचार प्रसार किया गया था ।

कोरबा पहुंचने पर भाजपा विधायकों का आरती उतारकर एवं तिलक लगाकर अभिनंदन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल एवं कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन के रायपुर से कोरबा स्थित जिला भाजपा कार्यालय पहुंचने पर महिला मोर्चा की नारी शक्ति ने आरती उतारकर एवं तिलक लगाकर अभिनंदन किया। जिला भाजपा कार्यालय में जिला संगठन द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इसके पूर्व जैसे ही दोनों विधायकों के कदम जिला भाजपा कार्यालय परिसर में पड़े, महिला मोर्चा की नारी शक्ति थाल में आरती सजाकर रखी और उनके शुभ आगमन पर सभी महिला मोर्चा सदस्यों ने उनका अभिनंदन किया। उनकी आरती उतारी और विजय तिलक लगाकर उनका सनातनी अभिनंदन किया।

उनके शुभ आगमन पर फूल बरसाये गए। दोनों विधायकों ने बड़ों को प्रणाम किया और सबका अभिवादन किया। नारी शक्ति ने जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक चावलानी, जोगेश लांबा एवं वरिष्ठ भाजपा नेताओं का भी अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नागरिकों एवं बुद्धिजीवी वर्ग का हुजूम उमड़ पड़ा था और स्वागत समारोह के संपन्न होने तक परिसर में काफी गहमा गहमी रही। सम्मान समारोह में भाजपा का ओज फैलाने वाले गीत गूंज रहे थे और जय श्री राम के नारे से क्षेत्र गूंजायमान हो रहे थे।

ऐतिहासकि जीतः भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई

केबिनेट में शामिल हो सकते हैं नवनिर्वाचित विधायक लखनलाल देवांगन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी की जीत को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही है लेकिन इसमें सबसे बड़ी भूमिका उनकी सहजता व सरलता रही। इसके अलावा पार्टी के पदाधिकारियों एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की मेहनत ने भी रंग जमाया और शायद इसी वजह से इतनी बड़ी जीत मिली है। इसके बाद शहर में चर्चा चल रही है कि एकतरफा जीत मिलने के पीछे प्रमुख कारण भाजपा हाईकमान द्वारा प्रत्याशी चयन रहा।

चुनाव परिणाम आने के बाद शहर में इस बात को लेकर चर्चा सरगर्म है कि आखिरकार 3 बार के विधायक एवं प्रदेश के दबंग मंत्री रहे जयसिंह अग्रवाल को इतने बड़े अंतर से पराजय क्यों मिली? हालांकि लखनलाल देवांगन को भाजपा हाईकमान ने दो माह पूर्व यहां से टिकट फायनल कर दिया था तभी से इस बात को लेकर चर्चा चल रही थी कि इस चुनाव में मुकाबला काफी रोचक रहेगा और जीत-हार को लेकर किसी तरह के दावे नहीं किए जा रहे थे। इसमें भाजपा व कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल थे जो यह दावा कर रहे थे कि इस बार चुनाव में मुकाबला काफी कांटे का रहेगा। वहीं दूसरी ओर लखनलाल देवांगन को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद भाजपाईयों में बूथ से लेकर जिला स्तर के पदाधिकारियों में नए उत्साह का संचार हुआ। पिछले 15 वर्षों से हार की दंश झेल रहे भाजपाई भी एकजुट हो गए। शुरूआत में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि सभी मामले में भाजपा प्रत्याशी पीछे चल रहे हैं क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशी हर क्षेत्र में मजबूत दिखाई पड़ रहे थे लेकिन आचार संहिता लगने के बाद भाजपाई खेमे में एकाएक उत्साह का संचार हुआ और यह अंत तक जारी रहा जिसका परिणाम सामने आया है कि कोरबा से लखनलाल ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। जानकारों का कहना है कि पिछले अन्य चुनावों की भरपाई भाजपा प्रत्याशी ने कर दिया है क्योंकि जीत का आंकड़ा 25 हजार से भी अधिक है।

जनता के साथ कार्यकर्ताओं का आभार

विधायक बनने के बाद लखनलाल देवांगन ने पहली प्रतिक्रिया जारी करते हुए कहा कि इस जीत के पीछे कार्यकर्ताओं की बड़ी भूमिका तो रही है लेकिन जिस तरह से पूरे क्षेत्र की जनता ने आशीर्वाद दिया है उसका स्वागत है क्योंकि पूर्व में भाजपा को विधानसभा चुनाव के दौरान कभी भी इस तरह का सहयोग नहीं मिला है। इसी वजह से यह जीत काफी मायने

रखती है। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं ने अपनी क्षमता से अधिक कार्य किया जिसकी वजह से आज मैं इस स्थिति तक पहुंचा हूं। उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह के अलावा अशोक चावलानी, विकास महतो, जोगेश लांबा, गोपाल मोदी, नवीन पटेल, हितानंद अग्रवाल, प्रफुल्ल तिवारी, आरिफ खान, नरेन्द्र देवांगन, राजेन्द्र अग्रवाल, अमित नवरंगलाल, मनोज यादव, समीर पाण्डेय सहित मंडल के अध्यक्ष, पदाधिकारी, महिल प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ एवं सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम रही।

ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपाईयों ने विजय रैली भी निकाली और जनता का अभिवादन किया। 15 साल तक हार का दंश झेल रहे भाजपाईयों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। कल रात को ही जीत की घोषणा के बाद शहरी क्षेत्रों के अलावा कस्बाई क्षेत्रों में समर्थकों ने आतिशबाजी की और मिठाईयां बांट कर खुशी मनाई। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है, इससे प्रदेश सहित कोरबा जिले में भी केन्द्र पोषित एवं राज्य पोषित योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन होगा और इसका लाभ कोरबा में भी मिलेगा। जीत के बाद लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश में सुशासन का सूर्योदय उग चुका है और कोरबा भी भ्रष्टाचार मुक्त विकास को अंगीकृत कर यहां की दशा और दिशा को बदला जाएगा और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच बढ़ेगी। आज प्रदेश प्रभारी के बुलावे पर अन्य विधायकों के साथ लखनलाल देवांगन भी रायपुर गए हुए हैं, जहां देर शाम को ओम माथुर सभी विधायकों से चर्चा कर रहे हैं।

माना जा रहा है कि एक-दो दिन में सीएम की घोषणा हो जाएगी और शीघ्र ही सीएम के शपथ लेने के बाद केबिनेट का विस्तार किया जाएगा, जिसमें लखनलाल देवांगन को भी केबिनेट में शामिल करने की चर्चा जोरों पर है। ज्ञातव्य हो कि कोरबा हाई प्रोफाईल सीट पर प्रदेश भर की नजर रही।

महापौर को हटाने विधायक लखन को सौंपा ज्ञापन

भाजपा ने कहा-कई कांग्रेस पार्षद हमारे संपर्क में

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर निगम के महापौर को हटाने को लेकर इन दिनों भाजपा पार्षद लामबंद हो गए हैं। पिछले दिनों कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर महापौर बनने की जांच करते हुए प्रमाण पत्र निरस्त करने की मांग की गई थी। इसके बाद भाजपा पार्षद दल के सदस्यों ने विधायक लखनलाल देवांगन से मुलाकात कर इस संबंध में आवश्यक हस्तक्षेप करने की गुजारिश की।

प्रदेश में इन दिनों नगरीय निकायों में पदस्थ महापौर व अध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की मुहिम चलाई जा रही है। इसी कड़ी में कोरबा में भी भाजपा पार्षद दल द्वारा पहल की जा रही है। कलेक्टर को ज्ञापन देने के बाद शुक्रवार की संध्या भाजपा पार्षदों ने विधायक लखनलाल देवांगन के निवास स्थान पर मुलाकात कर इस संबंध में पहल करने की मांग की है। इस दौरान प्रमुख रूप से नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, पार्षद रितु चौरसिया, नरेंद्र देवांगन, विकास अग्रवाल, कमला बरेठ, धनश्री साहू, कविता नारायण, पुराइन बाई, शैल कुमारी राठौर, विजय साहू, फिरत साहू, बुधवार साय, उर्वशी राठौर, सुफल दास, भानुमति जायसवाल, अनीता सकुंदी यादव, अजय गोंड़, नारायण दास महंत, अमित मिंज आदि उपस्थित रहे। उधर भाजपा पार्षदों ने दावा किया है कि महापौर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव में चौकाने वाले नतीजे सामने आयेंगे, क्योंकि कई गैर भाजपायी पार्षद हमारे संपर्क में हैं।

सत्ता परिवर्तन होते ही भाजपा एक्शन मूड में आ गई है और दबाव की राजनीति अपना कर बहुमत न होने के बाद भी कई नगरीय निकायों में भाजपा के मेयर, अध्यक्ष बन गए हैं। जहां अल्पमत में अध्यक्ष और मेयर बने हैं, वहां की कुर्सी खतरे में पड़ गई है और कांग्रेस में चिंता की लकीरें घिर आई हैं।

कोरबा में ठेकाकर्मियों में दिखा आक्रोश

महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर बैठकर किया विरोध प्रदर्शन

कहा- मजदूरों का किया जा रहा शोषण

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)

कोरबा में एसईसीएल के सरायपाली ओपन कास्ट परियोजना में स्टेरक्स मिनरल पर शोषण का गंभीर आरोप लगा है। कंपनी के नुमाइंदों की करतूत से मजदूर तंग आ चुके हैं। इस समस्या के निराकरण के लिए पत्राचार और बैठक के बावजूद किसी तरह का हल नहीं निकल पा रहा है, जिसे लेकर एक बार फिर से मजदूरों ने महाप्रबंधक कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

समस्या का निराकरण नहीं किया गया तो अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है। एसईसीएल कोरबा के अंतर्गत सरईपाली ओपन कास्ट परियोजना संचालित है। जहां स्टारएक्स मिनिरल्स नामक ठेका कंपनी को कार्य का आबंटन किया गया है।

पत्राचार और धरना प्रदर्शन के बाद प्रबंधन के साथ बैठकें

कंपनी में आसपास के क्षेत्र में रहने वाले मजदूर भी कार्यरत हैं, जिनका लगातार शोषण किया जा रहा है। मजदूरों की समस्या को लेकर कोयला मजदूर पंचायत लगातार प्रबंधन से निराकरण की मांग करते आ रही है। पत्राचार और धरना प्रदर्शन के बाद प्रबंधन के साथ बैठकें भी हुई। इसके बावजूद शोषण पर अंकुश नहीं लग सका।

आलम यह है कि कंपनी में बीते पांच दिनों से मजदूरों का काम बंद है। जिसे लेकर कोयला मजदूर पंचायत के बैनर तले केन्द्रीय उपाध्यक्ष गजेन्द्र पाल सिंह तंवर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मजदूर महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। साथ ही प्रबंधन को अपनी चार सूत्रीय मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपा है।

चार सूत्रीय मांगों के संबंध में ठोस पहल नहीं

संगठन ने 20 दिसंबर तक चार सूत्रीय मांगों के संबंध में ठोस पहल नहीं होने पर महाप्रबंधक कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन के अलावा गेट जाम करने की चेतावनी दी है।

इस दौरान प्रमुख रूप से हेमलाल श्रीवास, विष्णु डिक्सेना, प्रेम लाल, जितेंद्र साहू, रिंकू सिंह, लखन केंवट, अशोक देवांगन, अशोक यादव, अनिल श्रीवास, ब्रजेश र श्रीवास व अन्य उपस्थित थे।

अध्यक्ष के खिलाफ 22 को अविश्वास प्रस्ताव

कांग्रेस को बड़ा झटका: एक पार्षद भाजपा में आई

कटघोरा (दिव्य आकाश)।

प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद कोरबा जिले में राजनीतिक सियासत तेज हो गई है और कटघोरा नगर पालिका अध्यक्ष रतन मित्तल को हटाने भाजपा पार्षद लामबंद हो गए हैं और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अविश्वास प्रस्ताव का ज्ञापन दिया। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार ने 22 दिसंबर को मतदान की तिथि तय की है। इस तिथि को अध्यक्ष की किस्मत पर फैसला होगा। भाजपा पार्षद अन्यदलों के पार्षदों के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। इसी कड़ी में नगर पालिका कटघोरा स्थित वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद शैल बाई आर्मो एवं उनके पति कमलेश आर्मो छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की सदस्यता लिए हुए थे जो आज अपनी पार्टी जिससे वे चुनाव जीते थे पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा कोरबा राजकुमार अग्रवाल के समक्ष भाजपा में पुन: घर वापसी किये उनका कहना था कि जब से वे कांग्रेस में गये है उनको घुटन सा महसूस हो रहा था आज अपनी मातृ पार्टी में पुन: प्रवेश कर बहुत अच्छा लग रहा है । उनके साथ उनके पति कमलेश आर्मो शहर कांग्रेस महामंत्री कटघोरा ने भी भाजपा में प्रवेश किया। उक्त कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष धन्नू प्रसाद दुबे, मंडल महामंत्री अभिषेक गर्ग, राजेन्द्र टंडन, सुनील खांडे, जय गर्ग, अक्षय गर्ग, अर्चना अग्रवाल, समंजित सिंग कटघोरा भाजपा के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे

दीपका नगर पालिका की अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने कलेक्टर को ज्ञापन

कोरबा (दिव्य आकाश)। नगर पालिका परिषद दीपका में भारतीय जनता पार्टी के सभी पार्षदों ने आज संयुक्त रूप से नगर पालिका अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने का ज्ञापन कलेक्टर कोरबा को सौंपा। ज्ञापन सौंपते ही त्वरित संज्ञान लेते हुए

कलेक्टर कोरबा ने एक सप्ताह के अंदर तिथि निर्धारित करने का आश्वासन दिया। तदुपरांत सभी पार्षदों ने दीपका पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष ज्योतिनंद दुबे के कार्यालय में बैठकर अविश्वास प्रस्ताव को सफल करने हेतु रणनीति पर विचार विमर्श किया एवं अध्यक्ष को हटाने की रणनीति पर चर्चा हुई। ज्ञातव्य हो कि सरकार बदलते ही अब भाजपा जिले में सक्रिय हो गई है और नगर निगम, नगर पालिकाओं, छूरीनगर पंचायत में अध्यक्षों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कोरबा मेयर की भी कुर्सी खतरे में पड़ती नजर आ रही है।

कोरबा एसपी का बड़ा एक्शन: कुसमुंडा टीआई कृष्ण कुमार वर्मा हटाए गए

कंपनी के गुर्गों द्वारा भू-विस्थापित को थाना के अंदर मारपीट का मामला

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के कुसमुंडा थाना में एमपीटी नामक कंपनी के गुर्गों द्वारा भू-विस्थापित गोविंदा सारथी को मारपीट करने और गाली-गलौच करने के बाद थाना परिसर में बवाल मच गया। थाना प्रभारी ने एमपीटी के कुछ लोगों के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई कर मामले को रफा दफा करने में लगे हुए थे। आज पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला कुसमुंडा थाना पहुंचे और मामले को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी की जांच की और पुलिस कर्मचारियों से मामले की जानकारी ली।

इसके बाद पुलिस अधीक्षक का बड़ा एक्शन सामने आया और कुसमुंडा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा को कुसमुंडा थाना से हटाकर बांगों थाना का प्रभारी बना दिया। बताया जा रहा है कि एमपीटी कंपनी के गुर्गे ओमेंन्द्र सिंह तोमर, तेज प्रताप सहित कुछ अन्य लोगों के खिलाफ गैर जमानती धारा लगाई गई है। पुलिस अधीक्षक ने चेतावनी दी है कि जिले में अमन चैन और शांति भंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसी मामले को लेकर थाना प्रभारी श्री वर्मा पर गाज गिरी है और उन्हें बांगों थाना भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और पुलिसिंग में कसावट लाने अन्य थाना एवं चौकियों में फेर बदल किया है। श्री शुक्ला ने आदेश जारी कर कोतवाल रूपक शर्मा को दर्री थाना का प्रभारी बनाया है। निरीक्षक मनीष चंद्र नागर को कुसमुंडा थाना का प्रभार दिया है। रक्षित केन्द्र में पदस्थ निरीक्षक धर्मनारायण तिवारी को बांकीमोंगरा भेजा गया है। जबकि बांकीमोंगरा प्रभारी उषा सोंधिया को रक्षित केन्द्र भेजा गया है। दर्री थाना प्रभारी चमनलाल सिन्हा को थाना प्रभारी पाली बनाया गया है। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि दर्री थाना अंतर्गत कई जगहों में डीजल-पेट्रोल चोरी का खुलासा क्राईम ब्रांच ने किया था और तब से दर्री थाना प्रभारी को हटाने की चर्चा चल रही थी।

निरीक्षक अभिनव कांतसिंह को पाली थाना प्रभारी से कोरबा कोतवाल बनाया गया है। निरीक्षक किरण गुप्ता को रक्षित केन्द्र से सिविल लाईन रामपुर का प्रभार दिया गया है। निरीक्षक मंजुषा पांडेय को रक्षित केन्द्र से प्रभारी महिला सहायता केन्द्र/ परिवार परामर्श केन्द्र रामपुर का प्रभार दिया गया है। उप निरीक्षक विलायत हुसैन को रक्षित केन्द्र कोरबा से चौकी प्रभारी मोरगा बनाया गया है। उप निरीक्षक लक्ष्मण प्रसाद खुंटे थाना बालको नगर से चौकी प्रभारी रजगामार बनाया गया है।

केबिनेट में शामिल हो सकते हैं नवनिर्वाचित विधायक लखनलाल देवांगन

ऐतिहासकि जीत: भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी की जीत को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही है लेकिन इसमें सबसे बड़ी भूमिका उनकी सहजता व सरलता रही। इसके अलावा पार्टी के पदाधिकारियों एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की मेहनत ने भी रंग जमाया और शायद इसी वजह से इतनी बड़ी जीत मिली है। इसके बाद शहर में चर्चा चल रही है कि एकतरफा जीत मिलने के पीछे प्रमुख कारण भाजपा हाईकमान द्वारा प्रत्याशी चयन रहा।

चुनाव परिणाम आने के बाद शहर में इस बात को लेकर चर्चा सरगर्म है कि आखिरकार 3 बार के विधायक एवं प्रदेश के दबंग मंत्री रहे जयसिंह अग्रवाल को इतने बड़े अंतर से पराजय क्यों मिली ? हालांकि लखनलाल देवांगन को भाजपा हाईकमान ने दो माह पूर्व यहां से टिकट फायनल कर दिया था तभी से इस बात को लेकर चर्चा चल रही थी कि इस चुनाव में मुकाबला काफी रोचक रहेगा और जीत-हार को लेकर किसी तरह के दावे नहीं किए जा रहे थे। इसमें भाजपा व कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल थे जो यह दावा कर रहे थे कि इस बार चुनाव में मुकाबला काफी कांटे का रहेगा। वहीं दूसरी ओर लखनलाल देवांगन को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद भाजपाईयों में बूथ से लेकर जिला स्तर के पदाधिकारियों में नए उत्साह का संचार हुआ। पिछले 15 वर्षों से हार की दंश झेल रहे भाजपाई भी एकजुट हो गए। शुरूआत में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि सभी मामले में भाजपा प्रत्याशी पीछे चल रहे हैं क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशी हर क्षेत्र में मजबूत दिखाई पड़ रहे थे लेकिन आचार संहिता लगने के बाद भाजपाई खेमे में एकाएक उत्साह का संचार हुआ और यह अंत तक जारी रहा जिसका परिणाम सामने आया है कि कोरबा से लखनलाल ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। जानकारों का कहना है कि पिछले अन्य चुनावों की भरपाई भाजपा प्रत्याशी ने कर दिया है क्योंकि जीत का आंकड़ा 25 हजार से भी अधिक है। विधायक बनने के बाद लखनलाल देवांगन ने सभी जनता का आभार जताया।

" इस पॉलिसी में निवेश पोर्टफोलियो में निवेश का जोखिम पॉलिसीधारक द्वारा वहन किया जाएगा "

सबसे पहले एलआईसी

एक सीप - दो फायदे

बचत भी : सुरक्षा भी

एलआईसी की सीप

योजना सं.: 852 UIN 512L334V01

यूनिट लिंक्ड, असहभागी, व्यक्तिगत जीवन बीमा योजना

चुनने की आजादी

बचत धनराशि :
आपकी बचत रू. 4000/- प्रति माह या रू. 40000/- प्रति वर्ष से शुरू हो कर जीवन के बड़े लक्ष्यों के लिए उससे अधिक हो सकती है।

4 फंड विकल्प :
आप बांड, सुरक्षित, संतुलित एवं वृद्धि में से कोई भी विकल्प चुन सकते हैं।

निःशुल्क फंड परिवर्तन :
आप अपना धन वर्ष में चार बार निःशुल्क एक फंड से दूसरे फंड में परिवर्तित कर सकते हैं।

आवश्यकता पर निकासी :
5 वर्ष उपरांत आप आंशिक निकासी कर सकते हैं।*

पॉलिसी के लाभ :

- जोखिम सुरक्षा उपलब्ध
- गारंटीकृत लाभ : यूनिट फंड वैल्यू के साथ गारंटीकृत लाभ*
- पॉलिसी परिपक्वता : यूनिट फंड वैल्यू

पात्रता :

प्रवेश की आयु :
न्यूनतम आयु: 90 दिन
अधिकतम आयु: 65 वर्ष

परिपक्वता आयु:
न्यूनतम आयु: 18 वर्ष
अधिकतम आयु: 85 वर्ष

पॉलिसी अवधि : 10-25 वर्ष

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)

पता : इंदिरा चौक के पास पथरीपारा जिला-कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

करार के प्रथम पाँच वर्ष में युनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियां समाप्त नहीं की जा सकती। पाँचवे वर्ष के अंत तक युनिट से सबद्ध बीमा पॉलिसियों को पॉलिसीधारक न समर्पण कर सकता है और न ही उनमें निवेश किये गए धन को आंशिक या पूर्ण रूप से निकाल सकता है।

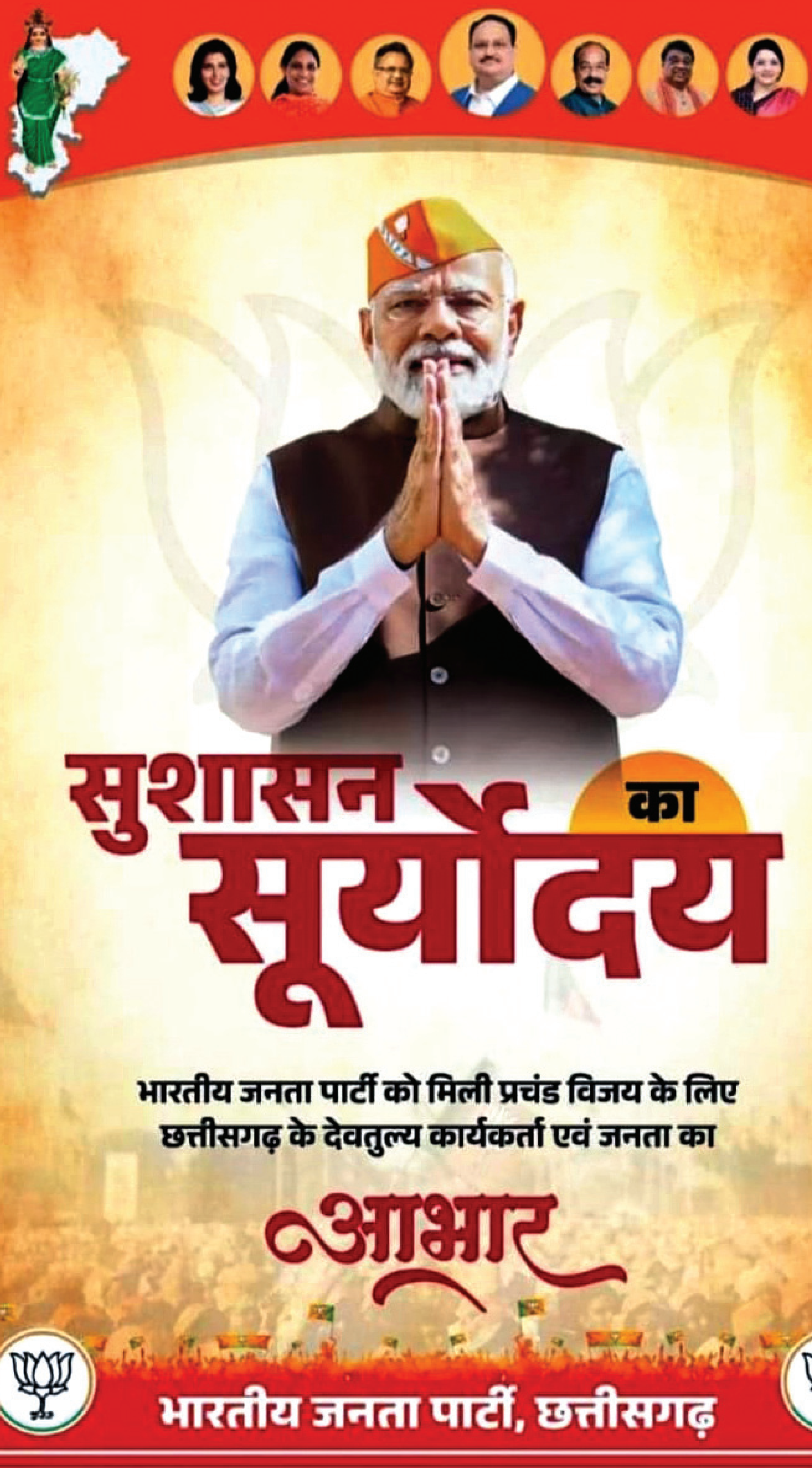

सुशासन का सूर्योदय

भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड विजय के लिए
छत्तीसगढ़ के देवतुल्य कार्यकर्ता एवं जनता का

आभार

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :·divyaakash.news@gmail.com